हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 | अंक : 81 | जौनपुर, शनिवार 16 दिसम्बर 2023 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य : 2 रूपया

ललित झा की ओर से हुआ बड़ा खुलासा

नई दिल्ली (एजेन्सी)। संसद सुरक्षा उल्लंघन के मामले में अपने चार सहयोगियों को गिरफ्तार किए जाने के एक दिन बाद, मुख्य साजिशकर्ता ललित मोहन झा (32) ने पकड़े जाने से पहले गुरुवार सुबह कथित तौर पर मोबाइल फोन सहित सभी तकनीकी सबूत नष्ट कर दिए। बुधवार को, चार आरोपियों मनोरंजन डी, सागर शर्मा, नीलम वर्मा और अमोल शिंदे ने संसद के अंदर और बाहर कनस्तर के डिब्बे खोले और उन्हें मौके से पकड़ लिया गया। वहीं, झा जिसने इस कार्यक्रम को लाइव–स्ट्रीम किया था, उनकी आईडी कार्ड और मोबाइल फोन के साथ भागने में सफल रहा। ललित झा, जिन्हें कल रात गिरफ्तार किया गया था, ने दिल्ली पुलिस को बताया कि उन्होंने षकिसी भी परिस्थिति में अपना संदेश पहुंचानेष के लिए सुरक्षा उल्लंघन को अंजाम देने के लिए दो वैकल्पिक योजनाएँ बनाई थीं। सूत्रों ने शुक्रवार (15 दिसंबर) को बताया कि ललित के समूह ने दो योजनाएं ए और बी बनाई थीं।

सीएम नीतीश कुमार की वाराणसी रैली रद्द

नई दिल्ली (एजेन्सी)। जनता दल (यूनाइटेड) ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की उत्तर प्रदेश के रोहनिया विधानसभा क्षेत्र में 24 दिसंबर की सार्वजनिक रैली रद्द कर दी गई। इसके साथ ही उनकी ओर से दावा किया गया कि स्थानीय अधिकारियों ने बैठक के लिए अनुमति देने से इनकार कर दिया। रोहनिया विधानसभा क्षेत्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वाराणसी लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा है। इसी को लेकर अब सुशील मोदी की ओर से पलटवार किया गया है। भाजपा नेता ने कहा कि सच तो यह है कि उन्होंने रैली की अनुमति लेने के लिए लिखित आवेदन भी नहीं दिया। इसके अलावा वाराणसी अपना दल और बीजेपी का गढ़ होने के कारण उन्हें इस रैली में ज्यादा समर्थन की उम्मीद नहीं थी। सुशील मोदी ने साफ तौर पर कहा कि रैली के बारे में न तो कलेक्टर और न ही एसपी को कोई जानकारी थी।

सुप्रीम कोर्ट ने तय की आखिरी तारीख

नई दिल्ली (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर को एक–दूसरे के विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग करने वाली शिवसेना के प्रतिद्वंद्वी गुटों द्वारा दायर क्रॉस–याचिकाओं पर फैसला करने के लिए और समय दिया है। शीर्ष अदालत ने 10 जनवरी तक का समय बढ़ा दिया है। इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने स्पीकर से 31 दिसंबर तक अयोग्यता याचिकाओं के संबंध में अंतिम फैसला लेने को कहा था, लेकिन नार्वेकर ने लंबित याचिकाओं की समीक्षा के लिए और समय मांगा था। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि स्पीकर ने संकेत दिया है कि कार्यवाही 20 दिसंबर को बंद कर दी जाएगी और स्पीकर ने उचित समय विस्तार की मांग की थी। पहले निर्धारित समय सीमा को ध्यान में रखते हुए,।

ललित झा को 7 दिन की पुलिस हिरासत में भेजा

नई दिल्ली (एजेन्सी)। संसद सुरक्षा उल्लंघन मामले में नवीनतम अपडेट में, पटियाला हाउस कोर्ट ने शुक्रवार को आरोपियों में से एक ललित झा को सात दिनों की पुलिस रिमांड पर भेज दिया। दिल्ली पुलिस द्वारा उसे अदालत में पेश किए जाने के बाद यह बात सामने आई है। इससे पहले ललित झा को दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल लाया गया था। पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने के बाद झा को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया गया। ललित एक अन्य व्यक्ति के साथ कर्तव्य पथ पुलिस स्टेशन पहुंचा, जहां उसे दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल को सौंप दिया गया। बड़े सुरक्षा उल्लंघन के लिए चार व्यक्तियों पर कड़े गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत आतंकवाद का आरोप लगाया गया है, इस दौरान उनमें से दो सागर शर्मा और मनोरंजन डी ने लोकसभा कक्ष में छलांग लगा दी और धुआं उड़ा दिया।

राष्ट्रीय संगोष्ठी 'बायोनेचर कॉन–2023' का सीएम योगी ने किया उद्घाटन, बोले–आज के समय में स्टडी रिसर्च जरूरी

गोरखपुर (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों या अन्य शिक्षण संस्थानों को टापू या तटस्थ बने रहने की बजाय समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझना होगा। उच्च शिक्षण संस्थानों को चाहिए वे समाज की व्यावहारिक आवश्यकताओं के अनुरूप अध्ययन बढ़ाएं। व्यावहारिक आवश्यकताओं को समझने के लिए सिर्फ पुस्तकीय ज्ञान पर निर्भर रहने की बजाय फील्ड में अनुभव हासिल करने और रिसर्च पर ध्यान देना होगा। सीएम योगी शुक्रवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय व फार्मेसी संकाय के संयुक्त तत्वावधान एवं ट्रांसलेशन बायोमेडिकल रिसर्च सोसायटी के सहयोग से आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कर रहे थे। एडवांसेज एंड ऑपर्चुनिटीज इन ड्रग डिस्कवरी फ्रॉम नेचुरल प्रोडक्ट्स शबायोनेचर कॉन–2023श विषयक संगोष्ठी के शुभारंभ पर मुख्यमंत्री ने कहा कि नवाचार और अनुसंधान से तटस्थ होने के कारण भारत पिछड़ गया था और यहां के शिक्षण संस्थान डिग्री बांटने के केंद्र तक सीमित हो गए थे। हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले नौ सालों में इस दिशा में सुधार के प्रयास हुए तो अब अच्छे परिणाम दिखाई दे रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुनिया में प्राकृतिक संसाधनों से पारंपरिक चिकित्सा भारत की देन है। वर्तमान समय मे इसे आगे बढ़ाने के लिए उन्होंने कई विभागों के बीच आपसी समन्वय पर जोर देते हुए कहा कि आपसी आयुर्वेद, फार्मेसी, बायो केमिस्ट्री, कृषि जैसे कई विभागों के समन्वय से प्राकृतिक संसाधनों से चिकित्सा को एक नई ऊंचाई मिल सकती है। उन्होंने कहा कि कृषि से जुड़े लोग प्राकृतिक संसाधनों से औषधि बनाने के क्षेत्र में बहुत योगदान दे सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों से बनने वाली औषधियों की क्वालिटी पर फोकस करने के साथ पैकेजिंग पर भी पूरा ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद की दवा पुड़िया बांधकर देने से रोगी को ही विश्वास नहीं होता जबकि यही दवा टैबलेट के रूप में उसका विश्वास बढ़ाती है। दवाओं को इसी अनुरूप में तैयार और पैक करना होगा। सीएम योगी ने कहा कि सरकार ललितपुर में दो हजार एकड़ में फार्मा पार्क बना रही है। इसके साथ ही मेडिकल डिवाइस पार्क को विकसित करने पर भी तेजी से काम चल रहा है। मुख्यमंत्री ने डाटा संग्रहण को वर्तमान समय की आवश्यकता बताते हुए कहा कि डॉक्टर और नर्स रोगियों से जुड़े विभिन्न आंकड़ों को संग्रहित कर उसे एक बड़े शोध का आधार बना सकते हैं। राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान मुख्यमंत्री ने इंसेफेलाइटिस नियंत्रण के अपने अनुभव को भी साझा किया। बताया कि 1977 से लेकर 2017 तक करीब 50 हजार बच्चों की मौत इंसेफेलाइटिस की वजह से हो गई। जापान में इसके लिए वैक्सीन 1905 में ही बन गई थी जबकि भारत में वैक्सीन 2005 में उपलब्ध हुई, उसका भी उत्पादन मांग से काफी कम रहा। मुख्यमंत्री ने बताया कि पूर्वी उत्तर प्रदेश की करीब तीन करोड़ की आबादी के सापेक्ष इंसेफेलाइटिस वैक्सीन महज एक लाख डोज मिल रही थी।

सीएम योगी ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की पुण्यतिथि पर अर्पित की श्रद्धांजलि

वाराणसी (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को भारत के पूर्व गृहमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की 74वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। वाराणसी दौरे के दूसरे दिन मुख्यमंत्री ने मलदहिया स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किये। प्रदेश के मुखिया सीएम योगी आदित्यनाथ दो दिवसीय वाराणसी दौरे पर हैं। काशी दौरे के दूसरे दिन सीएम आज स्वर्वेद महामंदिर पहुंचे। यहां मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को भारत के पूर्व गृहमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की 74वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। वाराणसी दौरे के दूसरे दिन मुख्यमंत्री ने मलदहिया स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किये। सीएम योगी ने देश के प्रति उनके योगदान को याद करते हुए कहा कि लौहपुरुष एक महान स्वाधीनता संग्राम सेनानी थे और इसके साथ ही स्वतंत्र भारत में उनका योगदान नए भारत के शिल्पी के रूप में रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरदार पटेल ने भारत के 563 रियासतों को भारत गणराज्य का हिस्सा बनाया। आज का जो भारत है वह सरदार वल्लभ भाई पटेल के सपनों का भारत है इसलिए पूरा देश भारत की अखंडता के शिल्पी लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल का स्मरण करके उनके प्रति श्रद्धावनत होता है। लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के इन्ही मूल्यों और आदर्शों को ध्यान में रखकर काशी के सांसद और देश के प्रधानमंत्री ने केवड़िया गुजरात में सरदार सरोवर के तट पर नर्मदा नदी में दुनिया की सबसे बड़ी प्रतिमा स्थापित की है।

भजनलाल शर्मा बने राजस्थान के नए मुख्यमंत्री, दीया और बैरवा बने डिप्टी सीएम

राज्यपाल कलराज मिश्र ने जयपुर में आयोजित एक भव्य समारोह में भजनलाल को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई

राजस्थान (एजेन्सी)। भजनलाल शर्मा ने आज से राजस्थान की कमान संभाल ली। राज्यपाल कलराज मिश्र ने जयपुर में अल्बर्ट हॉल के बाहर मैदान में आयोजित एक भव्य समारोह में भजनलाल को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। भजनलाल के साथ ही दीया कुमारी और प्रेमचंद बैरवा ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह समेत कई केंद्रीय मंत्री, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, राजस्थान भाजपा अध्यक्ष सीपी जोशी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव समेत कई राज्यों के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। शपथ ग्रहण समारोह में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया और अशोक गहलोत भी उपस्थित थे। शपथ समारोह से पहले भजनलाल शर्मा ने सुबह गोविंद देवजी मंदिर में दर्शन किये और टोंक रोड पर पिंजरापोल गोशाला में गायों को चारा खिलाया। उन्होंने अपने दिन की शुरुआत प्रसिद्ध गोविंद देवजी मंदिर में पूजा–अर्चना के साथ की। परिवार के सदस्यों और समर्थकों के साथ शर्मा बाद में गोशाला पहुंचे। उसके बाद उन्होंने घर पहुंचकर अपने माता–पिता का आशीर्वाद लिया। हम आपको बता दें कि भजनलाल शर्मा पहली बार विधायक चुने गये हैं। उन्होंने जयपुर की सांगानेर सीट से चुनाव जीता है। 12 दिसंबर को भाजपा विधायक दल की बैठक में शर्मा को विधायक दल का नेता चुना गया था। बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने नए मुख्यमंत्री के नाम का प्रस्ताव रखा जिसे विधायक दल ने स्वीकार कर लिया था। दूसरी ओर, दीया कुमारी की बात करें तो आपको बता दें कि राजस्थान की उपमुख्यमंत्री और जयपुर के पूर्व राजपरिवार की सदस्य दीया कुमारी दो बार विधायक और एक बार सांसद रह चुकी हैं। दीया कुमारी राजसमंद से भाजपा की सांसद थीं और उन्हें विधानसभा चुनाव में जयपुर की विद्याधर नगर सीट से मैदान में उतारा गया था। दीया कुमारी 2013 में सवाई माधोपुर विधानसभा सीट से पहली बार विधायक बनीं थीं। 2019 के लोकसभा चुनाव में वह राजसमंद निर्वाचन क्षेत्र से सांसद चुनी गईं। 51 वर्षीय दीया कुमारी जयपुर के पूर्व राजपरिवार के सवाई भवानी सिंह की बेटी हैं। भवानी सिंह ने 1971 के भारत–पाकिस्तान युद्ध में 10वीं पैराशूट रेजिमेंट के पैरा कमांडो के लेफ्टिनेंट कर्नल और कमांडिंग ऑफिसर के रूप में गौरव हासिल किया था। दीया कुमारी कई स्वयंसेवी संगठनों और सामाजिक संगठनों से जुड़ी हुई हैं। वहीं, राजस्थान के नए उपमुख्यमंत्री प्रेम चंद बैरवा दूदू विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी के विधायक हैं। उन्हें पार्टी की राजस्थान इकाई के दलित चेहरे के रूप में देखा जाता है।

निज्जर हत्या के आरोपों पर बोले अमित शाह, भारत में वांछित आतंकवादी कनाडा में क्या कर रहे हैं?

नई दिल्ली (एजेन्सी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की संभावित संलिप्तता के कनाडा द्वारा लगाए गए आरोपों के बारे में बात की। अमित शाह ने इस मामले पर भारत का रुख दोहराया और निज्जर की हत्या पर आरोपों को खारिज कर दिया। इसके बजाय उन्होंने पूछा कि भारत में वांछित आतंकवादी कनाडा में क्या कर रहे हैं? शाह ने कहा कि हमने इन आरोपों को पूरी तरह से खारिज कर दिया है।

उन्हें (कनाडाई सरकार को) यह भी जवाब देना चाहिए कि भारत में वांछित आतंकवादी कनाडा में क्या कर रहे थे। ब्रिटिश कोलंबिया में 18 जून को हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की संभावित संलिप्तता के कनाडाई प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो के 18 सितंबर के आरोपों के बाद। भारत ने 2020 में निज्जर को आतंकवादी घोषित किया था। भारत ने ट्रूडो के आरोपों को बेतुका और प्रेरित कहकर खारिज कर दिया। सितंबर में ट्रूडो के आरोपों के कुछ दिनों बाद भारत ने कनाडाई नागरिकों को वीजा जारी करना अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया और ओटावा से समानता सुनिश्चित करने के लिए देश में अपनी राजनयिक उपस्थिति को कम करने के लिए कहा।

हंगामें के कारण नहीं चल पाई कार्यवाही, लोकसभा-राज्यसभा स्थगित

लोकसभा में विपक्षी सदस्यों ने संसद की सुरक्षा में चूक के मुद्दे पर शुक्रवार को भी जोरदार हंगामा किया, जिसके कारण कोई कामकाज नहीं हो सका

नई दिल्ली (एजेन्सी)। संसद की सुरक्षा में बुधवार को हुई चूक को लेकर राजनीतिक जबरदस्त तरीके से गर्म हो गई है। इस मामले को लेकर राज्यसभा और लोकसभा में हंगामा जारी है। गुरुवार को दोनों सदनों में 14 सांसदों को हंगामे की वजह से निलंबित कर दिया गया था। इसका असर शुक्रवार को भी देखा गया। शुक्रवार को भी लोकसभा और राज्यसभा में विपक्षी दलों का जबरदस्त तरीके से हंगामा जारी रहा। हंगामे की वजह से शुक्रवार को दोनों सदनों की कार्यवाही नहीं चल पाई। लोकसभा में विपक्षी सदस्यों ने संसद की सुरक्षा में चूक के मुद्दे पर शुक्रवार को भी जोरदार हंगामा किया, जिसके कारण सदन में कोई कामकाज नहीं हो सका और कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद सोमवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। विपक्षी दलों के सदस्य सुरक्षा चूक के मामले पर सदन में गृहमंत्री अमित शाह के वक्तव्य और चर्चा की मांग कर रहे हैं। सदन की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बजे आरंभ होते ही विपक्षी सदस्य हंगामा करने लगे। पीठासीन सभापति किरीट सोलंकी ने कार्यवाही सोमवार 11 बजे तक के लिए तत्काल स्थगित कर दी। कुछ सदस्यों के हाथों में पोस्टर भी थे। एक पोस्टर पर संसद में सुरक्षा के मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग लिखी हुई थी। कुछ सदस्य गृहमंत्री शाह के इस्तीफे की मांग भी कर रहे थे। कुछ विपक्षी सदस्य भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद प्रताप सिम्हा के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग कर रहे थे, जिनके हस्ताक्षर से मिले 'पास' पर संसद भवन में प्रवेश करने वाले दो युवक बुधवार को लोकसभा की दर्शक दीर्घा से सदन में कूद गए थे। सूचीबद्ध कामकाज निलंबित कर तत्काल चर्चा कराने की मांग सभापति जगदीप धनखड़ की ओर से खारिज किए जाने के बाद विपक्षी सदस्यों ने शुक्रवार को राज्यसभा में हंगामा किया, जिसकी वजह से सदन की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। हंगामे की वजह से उच्च सदन में न तो शून्यकाल, ना ही प्रश्नकाल और ना ही कोई महत्वपूर्ण विधायी कामकाज हो सका। दोपहर दो बजे उच्च सदन की बैठक दोबारा आरंभ होते ही विपक्षी सदस्य अपने स्थान पर खड़े हो गए और विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे को बोलने देने का अनुरोध किया। इसी दौरान नेता सदन पीयूष गोयल भी खड़े हो गए और कुछ बोलना चाहा। इसी समय सत्ता पक्ष और विपक्ष की ओर से हंगामा और शोर आरंभ हो गया। धनखड़ ने दोनों पक्षों से शांत होने की गुजारिश की और कहा कि वह सदन में कुछ घोषणा करना चाहते हैं। हालांकि हंगामा एवं शोरगुल जारी रहा और उन्होंने कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी।

शाही ईदगाह मामले में मुस्लिम पक्ष को SC से झटका, हाई कोर्ट के आदेश को रखा बरकरार

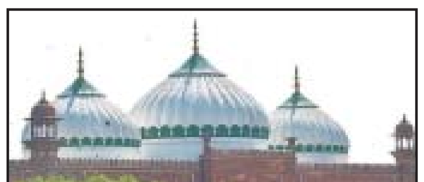

नई दिल्ली (एजेन्सी)। शाही ईदगाह मामले में मुस्लिम पक्ष को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। देश की सर्वोच्च अदालत ने हाई कोर्ट के आदेश को बरकरार रखा है। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने शाही ईदगाह में सर्वे की अनुमति बीते दिनों दे दी थी। शाही ईदगाह मामले में शामिल मुस्लिम पक्ष ने उत्तर प्रदेश के मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि मंदिर से सटे शाही ईदगाह परिसर की अदालत की निगरानी में जांच की अनुमति देने वाले इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। शाही ईदगाह मस्जिद प्रबंधन समिति के सचिव और वकील तनवीर अहमद ने गुरुवार देर रात एक बयान जारी कर उच्च न्यायालय के फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती देने की समिति की मंशा के बारे में पहले ही जिक्र किया था। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) के प्रवक्ता कासिम रसूल इलियास ने शाही ईदगाह मस्जिद समिति के फैसले के लिए समर्थन व्यक्त किया। उन्होंने पुष्टि की कि एआईएमपीएलबी की कानूनी समिति शाही ईदगाह मस्जिद समिति को सहायता प्रदान करेगी। बाबरी मस्जिद विवाद के दौरान केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए 1991 के कानून का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इस कानून का उद्देश्य 1947 की यथास्थिति बनाए रखते हुए पूजा स्थलों से संबंधित विवादों को हल करना था।

टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा को सुप्रीम कोर्ट से नहीं मिली राहत

सुप्रीम कोर्ट ने लोकसभा से निष्कासन के खिलाफ टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा की याचिका पर सुनवाई 3 जनवरी, 2024 के लिए स्थगित कर दी

नई दिल्ली (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को लोकसभा से निष्कासन के खिलाफ टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा की याचिका पर सुनवाई 3 जनवरी, 2024 के लिए स्थगित कर दी। लोकसभा से सांसद के रूप में उन्हें हटाने के प्रस्ताव के पक्ष में निचले सदन में मतदान के बाद शुक्रवार (8 दिसंबर) को उन्हें सदन से निष्कासित कर दिया गया। उनकी याचिका जस्टिस संजीव खन्ना और एसवीएन भट्टी की बेंच के सामने रखी गई। हालाँकि, सुनवाई के दौरान, न्यायमूर्ति खन्ना ने कहा कि उन्हें सुबह फाइल मिली और इसे पढ़ने के लिए और समय चाहिए और इसलिए मामले को 3 जनवरी, 2024 को फिर से सूचीबद्ध करने के लिए कहा। यह मामला तब सामने आया जब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने मोइत्रा के खिलाफ शिकायत की और उन पर व्यवसायी दर्शन हीरानंदानी के लिए सवाल पूछने के बदले में नकदी और सामान स्वीकार करने का आरोप लगाया। बाद में, एक साक्षात्कार में, मोइत्रा ने सहमति व्यक्त की कि उन्होंने हीरानंदानी के साथ अपने लॉगिन क्रेडेंशियल साझा किए थे लेकिन उनके खिलाफ आरोप सच नहीं थे। हालाँकि, मामला लोकसभा के नैतिक पैनल तक पहुंच गया, जिसने मोइत्रा को भी तलब किया। लेकिन, पैनल के सामने पेश होने के बाद टीएमसी नेता ने कहा कि उन्हें मौखिक शवस्त्रहरणश का सामना करना पड़ा। पैनल ने मोइत्रा को इस कृत्य का दोषी पाते हुए अपनी रिपोर्ट पेश की और सिफारिश की कि उन्हें निष्कासित कर दिया जाना चाहिए। तृणमूल कांग्रेस नेता महुआ मोइत्रा ने लोकसभा से अपने निष्कासन को चुनौती देने वाली याचिका दायर करने के कुछ दिनों बाद बुधवार को सुप्रीम कोर्ट से तत्काल सुनवाई की मांग की थी। वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने सुनवाई जल्द करने की मांग की थी। मोइत्रा ने अपने इस निष्कासन की तुलना 'कंगारू अदालत' द्वारा सजा दिए जाने से करते हुए आरोप लगाया कि सरकार लोकसभा की आचार समिति को विपक्ष को झुकने के लिए मजबूर करने का हथियार बना रही है। उन्होंने कहा कि एथिक्स कमेटी के पास निष्कासित करने का कोई अधिकार नहीं है...यह आपके (बीजेपी) अंत की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि अगर इस मोदी सरकार ने सोचा कि मुझे चुप कराकर वे अडानी मुद्दे को खत्म कर देंगे, मैं आपको यह बता दूं कि इस कंगारू कोर्ट ने पूरे भारत को केवल यह दिखाया है कि आपने जो जल्दबाजी और उचित प्रक्रिया का दुरुपयोग किया है, वह दर्शाता है कि अडानी आपके लिए कितना महत्वपूर्ण है, और आप एक महिला सांसद को समर्पण करने से रोकने के लिए उसे किस हद तक परेशान करेंगे। बाद में, एक साक्षात्कार में, मोइत्रा ने सहमति व्यक्त की कि उन्होंने हीरानंदानी के साथ अपने लॉगिन क्रेडेंशियल साझा किए थे लेकिन उनके खिलाफ आरोप सच नहीं थे।

KCR को मिली अस्पताल से छुट्टी, आवास पर फिसलकर गिर गए थे बीआरएस प्रमुख

नई दिल्ली (एजेन्सी)। तेलंगाना के पूर्व सीएम और बीआरएस पार्टी के राष्ट्रीय नेता के चंद्रशेखर राव को शुक्रवार को हैदराबाद के यशोदा अस्पताल से छुट्टी मिल गई। 7 दिसंबर को एर्रावल्ली में अपने फार्महाउस में गिरने के बाद केसीआर की बाएं कूल्हे की रिप्लेसमेंट सर्जरी की गई थी। विधानसभा में बीआरएस नेताओं द्वारा विपक्ष के नेता के रूप में चुने जाने के एक घंटे बाद केसीआर की सर्जरी की गई थी। शुक्रवार को केसीआर के अस्पताल छोड़ने का एक वीडियो भी जारी किया गया था। जब तक वह आवागमन वाहन तक नहीं पहुंचे, उनके समर्थकों ने उनका स्वागत किया। शुक्रवार को हुई सर्जरी को मेडिकल टीम ने सफल बताया है। बताया गया है कि राव चिकित्सकीय रूप से स्थिर स्थिति में हैं, दर्द से मुक्त हैं और आराम कर रहे हैं। डॉक्टरों की एक बहु–विषयक टीम द्वारा निरंतर मूल्यांकन और निगरानी की जा रही है। यशोदा अस्पताल के अनुसार, उन्हें पूर्व मुख्यमंत्री के ठीक होने में छह से आठ सप्ताह का समय लगने की उम्मीद है। 9 दिसंबर को सर्जरी के बाद केसीआर ने कुछ कदम उठाना शुरू किया। शुक्रवार को, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री और राज्य भाजपा अध्यक्ष जी किशन रेड्डी, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी और टीडीपी प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू ने अपनी चिंता व्यक्त की और राव के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

सम्पादकीय

कर्ज में डूबा है राज्य, नए मुख्यमंत्री के सामने खड़ा है चुनौतियों का बड़ा पहाड़

राजस्थान में भाजपा की सत्ता में वापसी हो गई है। शुक्रवार को नए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शपथ ग्रहण कर लेंगे। कांग्रेस सरकार की नाकामियों को गिनाकर भाजपा सत्ता में लौटी है। चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई बड़ी गारंटियां मरुधरा की जनता को दीं। अब राजस्थान में भी डबल इंजन की सरकार है, लेकिन प्रदेश के नए मुखिया के सामने चुनौतियों का बड़ा पहाड़ भी खड़ा है। कमजोर वित्तीय प्रबंधन से जूझ रहे राजस्थान में गारंटियां कैसे पूरी होंगी? पिछली सरकार की लोक–लुभावन योजनाओं का क्या होगा? यह एक बड़ा सवाल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रचार के दौरान राजस्थान में महंगे पेट्रोल–डीजल का मुद्दा उठाया था। उन्होंने कीमतें कम करने का वादा किया था। भाजपा शासित अन्य प्रदेशों से राजस्थान में 10–11 रुपए प्रति लीटर पेट्रोल–डीजल महंगा है। कड़ी आलोचनाओं के बाद भी अशोक गहलोत सरकार ने पेट्रोल–डीजल की कीमतें नहीं घटाई थीं। दरअसल, राजस्थान सरकार को पेट्रोल–डीजल पर वैट से भारी कमाई हो रही है। वर्ष 2021–22 और 2022–23 में राज्य सरकार ने पेट्रोल–डीजल पर वैट से 35,975 करोड़ रुपए का टैक्स जुटाया, जो देश के 18 राज्यों द्वारा वसूले गए 32,000 करोड़ के टैक्स से ज्यादा है। नई सरकार को पेट्रोल–डीजल की कीमतें अन्य भाजपा शासित प्रदेशों के बराबर करनी होगी। अभी हो रही कमाई की भरपाई कहां से होगी, यह नई सरकार के लिए एक चुनौती रहेगी। चुनाव से कुछ महीने पहले पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य में मुफ्त बिजली योजना शुरू की। मुफ्त बिजली योजना सरकार को भारी पड़ रही है। बिजली कंपनियां कंगाली के मुहाने पर पहुंच चुकी हैं। घाटा 1.20 लाख करोड़ से भी ज्यादा हो चुका है। फिलहाल घरेलू उपभोक्ताओं को 200 यूनिट और किसानों को 2000 यूनिट प्रतिमाह बिजली मुफ्त दी जा रही है। मुफ्त बिजली योजना से अभी सरकार के खजाने को 7000 करोड़ रुपए वार्षिक का बोझ सहन करना पड़ रहा है। चूंकि, नए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पिछली सरकार की जनहित योजनाओं को जारी रखने का वादा किया है तो इस घाटे को पूरा करना उनके लिए बड़ी चुनौती रहने वाली है। अशोक गहलोत अपनी चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना को सबसे ज्यादा प्रचारित करते आ रहे थे। उन्होंने पिछले बजट में बीमा राशि को 25 लाख रुपए कर दिया था। उनका चुनावी वादा था कि पुनः सरकार आने पर 50 लाख का बीमा दिया जाएगा। भाजपा शासित राज्यों में पांच लाख रुपए का आयुष्मान भारत स्वास्थ्य बीमा मिलता है। यह भी सभी के लिए नहीं है, जबकि राजस्थान में सभी को बीमा का लाभ दिया जा रहा है। चिरंजीवी योजना पर निर्णय लेना नई सरकार के लिए आसान नहीं होगा। अशोक गहलोत ने वरिष्ठ नागरिकों की वृद्धावस्था पेंशन बढ़ा दी थी और हर साल 15 फीसदी बढ़ोतरी का प्रावधान किया। इससे राज्य पर 12,000 करोड़ रुपए सालाना का बोझ पड़ा। इस योजना में अभी केंद्र सरकार का योगदान मात्र 367 करोड़ रुपए का है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उज्जवला गैस धारकों को 450 रुपए में गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने का वादा किया है। राजस्थान में 76 लाख परिवार उज्जवला के अंतर्गत आते हैं। ऐसे में नई सरकार पर 750 करोड़ रुपए से ज्यादा का बोझ पड़ने वाला है। अभी योजनाओं को लागू करने के लिए राजस्थान सरकार भारी कर्ज ले रही है। सरकार ने इसी साल अप्रैल से अगस्त की तिमाही में 12,288 करोड़ कर्ज लिया और अक्टूबर से दिसंबर की तिमाही में फिर 14,000 करोड़ का कर्ज लेने की ओर सरकार बढ़ गई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2022–23 में राजस्थान का कर्ज बढ़कर 5 लाख 37 हजार 013 करोड़ हो चुका है। पंजाब के बाद राजस्थान देश में सबसे ज्यादा कर्ज में डूबा राज्य है। वित्तीय प्रबंधन के अलावा नई सरकार के आगे कानून व्यवस्था बड़ी चुनौती रहने वाली है, क्योंकि यही एक ऐसा मुद्दा है, जिसे भाजपा ने सबसे ज्यादा उछाला था। दूसरा प्रतियोगी परीक्षाओं को करने के लिए भी नई सरकार को ठोस योजना बनानी पड़ेगी। राजस्थान अभी पेपर लीक के लिए बदनाम है। सांप्रदायिक सौहार्द बनाना भी नए मुख्यमंत्री के लिए बड़ा चौलेंज होगा, क्योंकि पिछले 5 सालों में करौली, भीलवाड़ा, जोधपुर समेत कई शहरों में सांप्रदायिक हिंसा हुई है।

प्राणियों को एल्गोरिदम का समूह समझता है एआई

आज वैज्ञानिक विचारधारा से प्रेरित होकर मन और भौतिक शरीर की जीव–वैज्ञानिक क्रियाओं के रूप में मॉडलिंग की जा रही है। यह तरीका मनुष्य को शुद्ध रूप से एक जड़–तंत्र समझता है, जो कि मशीन की तरह ही विभिन्न अंगों के संयोग से बना है। चिकित्सा उपचार के लिए भी नए दृष्टिकोण उभर रहे हैं, जो अलग–अलग अवयवों के संग्रह के रूप में मन–शरीर तंत्र का मॉडल बनाते हैं। इस तथ्य को छोड़कर कि मानव शरीर का एल्गोरिदम ऐसे हार्डवेयर पर काम करता है, जो सिलिकॉन के बजाय कार्बन से बना है, सभी जीव–वैज्ञानिक मैकेनिज्म कंप्यूटर की तरह कार्य करते हैं, ऐसा समझा जा रहा है। इस प्रकार मनुष्य को जीव–वैज्ञानिक एल्गोरिदमों के रूप में तोड़कर देखना एक आधुनिक खोज है और यह खोज विकास–क्रम के अगले चरण पर जाना संभव बनाती है, जो प्राकृतिक जैविक हार्डवेयर से सिलिकॉन या अन्य मानव निर्मित हार्डवेयर पर चलने के लिए बढ़ना है। एआई इसी तरफ जा रही है। व्यावसायिक सफलता की इस दुनिया में अध्यात्म और विज्ञान के बीच में वाद–विवाद अप्रासंगिक होता जा रहा है। ऐसे बहुत कम लोग होते हैं, जो बीमारी का इलाज करवाने से इसलिए मना कर दें, क्योंकि उपचार ऐसे आध्यात्मिक मॉडल पर आधारित है, जिससे वे सहमत नहीं हैं। मान लीजिए कि एक कंप्यूटर चिप इम्प्लांट शरीर के जीव–वैज्ञानिक एल्गोरिदम में किसी समस्या– जैसे मिर्गी या मानसिक विकार– के समाधान के लिए हस्तक्षेप कर सकता हो। ऐसे समाधानों का फायदा उठाने के लिए यूजर खुशी से इस विकल्प को चुनेंगे। ऐसी मन और शरीर से जुड़ी प्रौद्योगिकियों की व्यावसायिक सफलता सिर्फ चिकित्सा तक ही सीमित नहीं रहने वाली। निकट भविष्य में एआई उत्पाद लोगों को भावनात्मक, सौंदर्यात्मक और मनोवैज्ञानिक वृद्धि प्रदान करेंगे। ऐसे में चर्चा का विषय होगा कि ये वृद्धि क्या वास्तविक जरूरतों को पूरा करती है या केवल तुच्छ भोग–विलास को। हालांकि यह चर्चा प्रौद्योगिकियों के अपनाने की गति को कम नहीं करेगी। जनता द्वारा प्रारंभिक स्वीकृति तब आएगी, जब चिकित्सा विज्ञान हमारे जीवन में प्रौद्योगिकी के उपयोग की घुसपैठ को वैध बताएगा। फिर मनोरंजन समेत अन्य उद्योगों में ऐसी चीजों को अपनाने की बाढ़ आ जाएगी। मशीन–लर्निंग को मानव मन का ऐसा प्रतिरूप बनाने में अत्यधिक सफलता मिल रही है, जो प्रोग्राम किए गए एल्गोरिदम का एक समूह है। एक बार जब व्यक्ति की मनोवैज्ञानिक अवस्थाओं को एल्गोरिदमों द्वारा मॉडल कर लिया जाएगा, तब मशीनों को प्रशिक्षित करके व्यक्ति के मन में वांछित अनुभव को कृत्रिम रूप से उत्पन्न किया जा सकेगा। यह तेजी से बढ़ता हुआ क्षेत्र मशीनों को हमारी ज्ञान–संबंधी प्रणाली में हस्तक्षेप करने और हमारे प्राकृतिक मन–शरीर मनोग्रंथि पर नियंत्रण करने में सक्षम बनाता है। यह हमारे स्वाभाविक मानवीय अनुभवों पर डाका डालता है और उसे बस एक दिखाऊ और आसानी से बेचने योग्य उत्पाद से बदल देता है। तुरंत संतुष्टि प्राप्त करने की इस शुद्ध भौतिकवादी धारणा की सफलता से पता चलता है कि मनुष्य की भावनात्मक जागरूकता जीवन के उच्च लक्ष्यों से हटकर असंगत लक्ष्यों की ओर जा रही है। प्रत्येक मनुष्य को एकांत में प्रौद्योगिकी द्वारा अनुकूलित किया जा सकता है। वहां से लोग अपने लिए इच्छानुसार मूड और भावनाओं को डाउनलोड कर सकेंगे और उन्हें दूसरों को भेंट भी कर सकेंगे। जीव विज्ञान और कंप्यूटर साइंस के बंधन का अंतर्निहित आधार यह है कि जीवित प्राणी एल्गोरिदम का ही समूह हैं। शोधकर्ता जीव–विज्ञान की उन एल्गोरिदमों का अध्ययन कर रहे हैं, जिनको शरीर ने कई युगों में विकसित किया है और इससे वह जीव–तंत्रों के व्यवहार संबंधित मॉडल तैयार कर रहे हैं। एआई और न्यूरोसाइंस मिलकर हमारी संज्ञानात्मक व्यवस्था में हस्तक्षेप करने वाले उत्पाद बना रहे हैं। नई प्रौद्योगिकी में बुद्धि को चेतना से भिन्न माना जाता है। मनुष्य को मांस की गठरी समझा जाता है, जो जैव–रासायनिक और इलेक्ट्रॉनिक प्रक्रियाओं द्वारा संचालित है। जबकि हम उसमें संवेदनाओं, भावनाओं, विचारों और आत्म–चेतना को देखते हैं।

भाजपा ने इंदिरा गांधी के रास्ते का किया अनुसरण

बात दरअसल 2014 की है, जब लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा ने प्रधानमंत्री पद के लिए नरेंद्र मोदी को अपना उम्मीदवार घोषित किया था, जिनकी मेरी लिखी जीवनी उस वक्त काफी चर्चित हुई थी। तब कई पत्रकारों ने इंटरव्यू वगैरह के लिए मुझसे संपर्क भी किया। इनमें से एक पत्रकार ने मुझसे हुई बातचीत के आधार पर अपनी पत्रिका के कवर पर नरेंद्र मोदी की तस्वीर के साथ मेरे नाम के साथ मेरी टिप्पणी प्रकाशित की, कि श्मोदी कभी भूलते या माफ नहीं करते। नरेंद्र मोदी के बारे में ऐसी बात कहने वाला मैं अकेला नहीं होऊंगा और दुनिया व भारत में भी ऐसे और भी नेता होंगे, जिनके बारे में यह बात कही जा सकती हो। लेकिन आज जबकि शिवराज सिंह चौहान और वसुंधरा राजे की पारी खत्म हो गई है, मुझे प्रधानमंत्री की यही खूबी याद आ रही है। एक स्तर पर देखें तो यह फैसले बिल्कुल निजी दिखते हैं। यह 2011–12 और 2013 की शुरुआत में भाजपा की तरफ से प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवारों की सूची में मोदी को चुनौती देने के चौहान और राजे के फैसले पर मोदी का प्रतिशोध भी हो सकता है।

नीलांजन मुखोपाध्याय

भाजपा द्वारा मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्रियों और उप मुख्यमंत्रियों की नियुक्ति पर 1982 में द टाइम्स ऑफ इंडिया में प्रकाशित मशहूर कार्टूनिस्ट आरके लक्ष्मण का एक कार्टून मुझे याद आया। उसमें तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी हाथ में छाता लिए पारंपरिक राजनीतिक पोशाक पहने कई राजनेताओं के आगे से गुजर रही थीं। जमीन पर पड़े अखबार की हेडलाइन दृश्य को स्पष्ट करती है, जिसमें लिखा है, श्आंध्र के सीएम की तलाश जारी है। कार्टून में इंदिरा गांधी को उनमें से किसी एक नेता की ओर उंगली दिखाते और कहते हुए दिखाया गया है कि, श्ठीक है, आप...वहां... आप सीएम हैं। आपका नाम क्या है? यह कार्टून तब बनाया गया था, जब इंदिरा गांधी ने आंध्र प्रदेश में मुख्यमंत्री के लिए एक खोज अभियान चलाया था। दरअसल, उस वक्त राजीव गांधी ने तत्कालीन मुख्यमंत्री टी अंजैया को सार्वजनिक तौर पर इसलिए अपमानित किया था कि उन्होंने हैदराबाद के बेगमपेट हवाई अड्डे पर कांग्रेस नेता का असाधारण ढंग से स्वागत किया था। उससे राजीव गांधी इतने नाराज हुए कि उन्होंने दिल्ली लौटकर अपनी मां से अंजैया को बर्खास्त करा दिया। उस घटना की वजह से न केवल कांग्रेस ने कम पहचान वाले मुख्यमंत्रियों को नियुक्त करना शुरू किया, बल्कि उससे तेलुगू स्वाभिमान आंदोलन भी शुरू हुआ, जिसमें एनटी रामाराव एक नेता के तौर पर उभरे और आखिरकार 1983 में उन्होंने मुख्यमंत्री बनने के लिए तेलुगू देशम पार्टी का गठन किया। शीघ्र फैसले लेने के लिए जानी जाने वाली भाजपा ने तीन राज्यों के मुख्यमंत्रियों के एलान करने में काफी समय लगाया। आखिरकार जब मुख्यमंत्रियों और उनके दो उप मुख्यमंत्रियों के नाम सामने आए, तो कम ही लोग थे, जिन्होंने कभी मोहन यादव, भजन लाल शर्मा या विष्णु देव साय का नाम सुना था। टेलीविजन पर यह खबर देखने के बाद गूगल पर इनके नामों की खूब खोज की गई। इनके अलावा, राजेंद्र शुक्ला, जगदीश देवडा, दीया कुमारी, प्रेम चंद बैरवा, विजय शर्मा और अरुण साव के नामों के साथ भी यही हुआ, जो सभी इन तीनों राज्यों के अनाम से नेता हैं। हैरत की बात है कि भाजपा ने भी उसी रास्ते का अनुसरण किया है, जो इंदिरा गांधी ने चार दशक पहले चुना था। इतिहास गवाह है कि यह इंदिरा गांधी के सत्तावादी तरीकों की अभिव्यक्ति थी, लेकिन भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने यह कदम उठाकर पार्टी के भीतर कार्यकर्ताओं और आम जनता को क्या संदेश दिया है? इस सवाल का जवाब देने से पहले मुझे एक और घटना याद आती है। बात दरअसल 2014 की है, जब लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा ने प्रधानमंत्री पद के लिए नरेंद्र मोदी को अपना उम्मीदवार घोषित किया था, जिनकी मेरी लिखी जीवनी उस वक्त काफी चर्चित हुई थी। तब कई पत्रकारों ने इंटरव्यू वगैरह के लिए मुझसे संपर्क भी किया। इनमें से एक पत्रकार ने मुझसे हुई बातचीत के आधार पर अपनी पत्रिका के कवर पर नरेंद्र मोदी की तस्वीर के साथ मेरे नाम के साथ मेरी टिप्पणी प्रकाशित की, कि श्मोदी कभी भूलते या माफ नहीं करते। नरेंद्र मोदी के बारे में ऐसी बात कहने वाला मैं अकेला नहीं होऊंगा और दुनिया व भारत में भी ऐसे और भी नेता होंगे, जिनके बारे में यह बात कही जा सकती हो। लेकिन आज जबकि शिवराज सिंह चौहान और वसुंधरा राजे की पारी खत्म हो गई है, मुझे प्रधानमंत्री की यही खूबी याद आ रही है। एक स्तर पर देखें तो यह फैसले बिल्कुल निजी दिखते हैं। यह 2011–12 और 2013 की शुरुआत में भाजपा की तरफ से प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवारों की सूची में मोदी को चुनौती देने के चौहान और राजे के फैसले पर मोदी का प्रतिशोध भी हो सकता है। उस वक्त आरएसएस भी असमंजस की स्थिति में था, क्योंकि मोदी के साथ कई शीर्ष नेताओं के व्यक्तिगत मुद्दे सामने आ रहे थे। आखिरकार मोदी प्रधानमंत्री बने और चौहान व राजे 2018 तक अपने राज्यों के मुख्यमंत्री रहे। मार्च, 2020 में चौहान को मुख्यमंत्री के तौर पर वापस लाया गया। वहीं, जब राजस्थान में गहलोत की सरकार गिराने की स्थितियां बन रही थीं, वसुंधरा दूर–दूर ही थीं। हालांकि, मध्य प्रदेश और राजस्थान में करीब दो दशकों तक भाजपा के शीर्ष पर रहे दो नेताओं को दरकिनार करने की वजह केवल निजी मतभेदों को नहीं माना जा सकता। इसी तरह, रमन सिंह को एक बार फिर छत्तीसगढ़ का मुख्यमंत्री नामित न करने का फैसला इसलिए नहीं लिया गया कि वह भाजपा नेतृत्व की पिछली पीढ़ी के चुने गए व्यक्ति थे। उल्लेखनीय है कि इनमें से किसी भी राज्य में मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार का नाम न घोषित करने का फैसला तब लिया गया, जब मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भाजपा के लिए मुश्किलें और राजस्थान में बराबर की टक्कर बताई जा रही थी।

यह दरअसल एक जोखिम था, जो मोदी ने उठाया। इन हालात में मोदी–शाह को तीनों राज्यों में नई पीढ़ी के नेतृत्व को आगे बढ़ाने का अवसर दिखा। तीनों राज्यों में भारी जनादेश मिलने के बावजूद भाजपा नेतृत्व ने अपना फैसला नहीं बदला, तब भी, जब कई नवनिर्वाचित विधायक चौहान और राजे के समर्थन में थे। यह बिल्कुल साफ है कि तीनों राज्यों में मोदी के नेतृत्व को समर्थन देने का जनादेश मिला है। यह भी उल्लेखनीय है कि जिन नेताओं को मुख्यमंत्री या उप मुख्यमंत्री पदों के लिए चुना गया है, उनकी आम जनता या पार्टी के भीतर भी कोई खास पकड़ नहीं है। जाहिर है कि वे मोदी और शाह के आभारी रहेंगे। लेकिन उन्हें चुने जाने के पीछे की वजह सिर्फ उनकी वफादारी नहीं है। इंदिरा गांधी के कार्टून में जैसे नेताओं को चुना गया, वैसे तो हर राजनीतिक दल में होते हैं। इनका चयन उत्तर भारत के जाति संयोजन को ध्यान में रखते हुए योजनाबद्ध ढंग से किया गया है और कोशिश यही दिखती है कि ऊंची जातियों समेत ओबीसी, दलित और आदिवासी सभी जाति समूहों और इनके भीतर मौजूद वर्गों को भी खुश किया जाए। तीनों राज्यों में भाजपा के पास बहुमत है। जाहिर है कि सरकार और पार्टी पर नियंत्रण केंद्रीय नेतृत्व का ही होगा। इससे लोकसभा चुनाव के दौरान प्रचार अभियान का बारीकी से प्रबंधन करना मोदी–शाह के लिए सुविधाजनक हो जाएगा। इसके विपरीत कांग्रेस ने पुरानी पीढ़ी को बदलने और नए चेहरों को आगे बढ़ाने का कोई प्रयास नहीं किया, जो चुनावी रण में उत्साह से कूद सकें। जबकि मोदी और शाह ने अपनी राजनीतिक चतुराई से नए नेतृत्व को उभरने का अवसर देकर अपने फायदे के लिए बदलाव लाने के अपने संकल्प का भी प्रदर्शन किया। बात दरअसल 2014 की है, जब लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा ने प्रधानमंत्री पद के लिए नरेंद्र मोदी को अपना उम्मीदवार घोषित किया था, जिनकी मेरी लिखी जीवनी उस वक्त काफी चर्चित हुई थी। तब कई पत्रकारों ने इंटरव्यू वगैरह के लिए मुझसे संपर्क भी किया। इनमें से एक पत्रकार ने मुझसे हुई बातचीत के आधार पर अपनी पत्रिका के कवर पर नरेंद्र मोदी की तस्वीर के साथ मेरे नाम के साथ मेरी टिप्पणी प्रकाशित की, कि श्मोदी कभी भूलते या माफ नहीं करते। नरेंद्र मोदी के बारे में ऐसी बात कहने वाला मैं अकेला नहीं होऊंगा और दुनिया व भारत में भी ऐसे और भी नेता होंगे, जिनके बारे में यह बात कही जा सकती हो। लेकिन आज जबकि शिवराज सिंह चौहान और वसुंधरा राजे की पारी खत्म हो गई है, मुझे प्रधानमंत्री की यही खूबी याद आ रही है। एक स्तर पर देखें तो यह फैसले बिल्कुल निजी दिखते हैं। यह 2011–12 और 2013 की शुरुआत में भाजपा की तरफ से प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवारों की सूची में मोदी को चुनौती देने के चौहान और राजे के फैसले पर मोदी का प्रतिशोध भी हो सकता है। उस वक्त आरएसएस भी असमंजस की स्थिति में था, क्योंकि मोदी के साथ कई शीर्ष नेताओं के व्यक्तिगत मुद्दे सामने आ रहे थे। आखिरकार मोदी प्रधानमंत्री बने और चौहान व राजे 2018 तक अपने राज्यों के मुख्यमंत्री रहे। मार्च, 2020 में चौहान को मुख्यमंत्री के तौर पर वापस लाया गया। वहीं, जब राजस्थान में गहलोत की सरकार गिराने की स्थितियां बन रही थीं, वसुंधरा दूर–दूर ही थीं। हालांकि, मध्य प्रदेश और राजस्थान में करीब दो दशकों तक भाजपा के शीर्ष पर रहे दो नेताओं को दरकिनार करने की वजह केवल निजी मतभेदों को नहीं माना जा सकता।

इसी तरह, रमन सिंह को एक बार फिर छत्तीसगढ़ का मुख्यमंत्री नामित न करने का फैसला इसलिए नहीं लिया गया कि वह भाजपा नेतृत्व की पिछली पीढ़ी के चुने गए व्यक्ति थे। उल्लेखनीय है कि इनमें से किसी भी राज्य में मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार का नाम न घोषित करने का फैसला तब लिया गया, जब मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भाजपा के लिए मुश्किलें और राजस्थान में बराबर की टक्कर बताई जा रही थी। यह दरअसल एक जोखिम था, जो मोदी ने उठाया। इन हालात में मोदी–शाह को तीनों राज्यों में नई पीढ़ी के नेतृत्व को आगे बढ़ाने का अवसर दिखा। तीनों राज्यों में भारी जनादेश मिलने के बावजूद भाजपा नेतृत्व ने अपना फैसला नहीं बदला, तब भी, जब कई नवनिर्वाचित विधायक चौहान और राजे के समर्थन में थे।

याद आ गया 22 साल पहले का वो खौफनाक मंजर

फर्क इतना था कि तब गोलियों और धमाकों की गूंज थी, इस बार इन युवकों ने जो धुआं किया, उससे एकाएक दहशत तो फैली, लेकिन जैसे ही पता चला कि यह धुआं खतरनाक नहीं है, तो जान में जान आई। इससे पहले भी कई साल पहले यूपीए–एक शासन काल के दौरान भी दोपहर में अचानक संसद भवन को खाली कराया गया था, क्योंकि सुरक्षा एजेंसियों को इनपुट मिला था कि परिसर में कहीं बम रखा गया है। मैं उस समय प्रेस दीर्घा में था। तब संसदीय कार्य मंत्री प्रियरंजन दास मुंशी ने सबको बाहर मैदान में एकत्र करने का काम किया था। तब करीब एक घंटे तक सारे सांसद और मीडिया कर्मी बाहर रहे और बाद में जब पूरे भवन की गहन छानबीन हो गई तब हमें भीतर जाने दिया गया था।

विनोद अग्निहोत्री

22 साल पहले 13 दिसंबर 2001 को संसद पर हुए आतंकवादी हमले की बरसी के दिन एकाएक पुराना खौफनाक मंजर एक बार आंखों के सामने ताजा हो गया, जब संसद के नए भवन में लोकसभा के भीतर दो युवक दर्शक दीर्घा से अचानक कूद कर सदन के भीतर पहुंच गए। फर्क इतना था कि तब गोलियों और धमाकों की गूंज थी, इस बार इन युवकों ने जो धुआं किया, उससे एकाएक दहशत तो फैली, लेकिन जैसे ही पता चला कि यह धुआं खतरनाक नहीं है, तो जान में जान आई। इससे पहले भी कई साल पहले यूपीए–एक शासन काल के दौरान भी दोपहर में अचानक संसद भवन को खाली कराया गया था, क्योंकि सुरक्षा एजेंसियों को इनपुट मिला था कि परिसर में कहीं बम रखा गया है। मैं उस समय प्रेस दीर्घा में था। तब संसदीय कार्य मंत्री प्रियरंजन दास मुंशी ने सबको बाहर मैदान में एकत्र करने का काम किया था। तब करीब एक घंटे तक सारे सांसद और मीडिया कर्मी बाहर रहे और बाद में जब पूरे भवन की गहन छानबीन हो गई तब हमें भीतर जाने दिया गया था। यह संयोग है कि 13 दिसंबर 2001 को जब संसद पर हमला हुआ था, तब भी मैं अमर उजाला में कार्यरत था और अपने वरिष्ठ सहयोगी तत्कालीन राजनीतिक प्रमुख वीरेंद्र सेंगर के साथ संसद परिसर की ओर जा रहा था, जब अचानक धमाकों की आवाज गूंजने लगी। पहले लगा कि कहीं कोई पटाखे छोड रहा है, लेकिन पुलिस और सुरक्षा कर्मियों की अफरा तफरी और संसद भवन के सारे दरवाजे और मुख्य द्वार जिस तेजी के साथ बंद किए जाने लगे, उससे समझ में आ गया कि संसद पर आतंकवादी हमला हुआ है और ये पटाखों की नहीं गोलियों की आवाज है, जो आतंकवादियों और सुरक्षा कर्मियों के बीच चल रही हैं। जो जहां था वहीं सुरक्षित ठिकाने की ओर भाग रहा था। भीतर तत्कालीन संसदीय कार्य मंत्री प्रमोद महाजन ने मोर्चा संभाला हुआ था और वह सांसदों और मीडिया कर्मियों को भीतर सुरक्षित स्थानों पर भेज रहे थे। पूरा वातावरण धुएं बारूद की गंध और सड़कों पर बह रहे खून से बेहद खौफनाक हो रहा था। एक आतंकवादी जो फिदायीन था, संसद भवन के भीतर घुसने की कोशिश में सुरक्षा कर्मियों की गोलियों का शिकार होकर सीढ़ियों से पहले ही ढेर हो चुका था। आतंकवादी हमले में कई सुरक्षा कर्मियों को भी गोली लगी थी, जिनमें नौ शहीद हो गए थे। काफी समय तक आतंकवादियों की संख्या को लेकर भ्रम बना रहा। पहले पता चला कि छह आतंकवादी थे, लेकिन बाद में उनकी संख्या पांच ही निकली, जिन्हें मार गिराया गया था। दहशत और दुख का माहौल था। संसद भवन परिसर के बाहर लोगों की भीड़ बढ़ रही थी। पुलिस उन्हें नियंत्रित करने में जुटी थी। पुराने संसद भवन के स्वागत कक्ष के प्रमुख द्वार के सामने आज जहां पार्किंग है, तब वहां केंद्रीय भंडार का स्टोर होता था। हमला होते ही पुलिस ने उसे बंद करा दिया था, लेकिन आम लोगों की भीड़ वहां तक पहुंच चुकी थी और पुलिस ने उसे वहां रोक दिया था। कई पत्रकार और सासंद जो हमले से पहले संसद भवन के बाहर थे, वह बाहर ही रह गए थे और जो भीतर थे वो अंदर कमरों में बंद थे। हर शख्स एक दूसरे से सवाल कर रहा था, लेकिन पुख्ता जानकारी किसी के पास नहीं थी। पांच आतंकवादियों को ढेर करने के बावजूद सुरक्षा कर्मी पूरे परिसर में चप्पे–चप्पे पर तलाशी ले रहे थे, कि कहीं कोई बचा हुआ आतंकवादी छिपा तो नहीं है। बम निरोधक दस्ते आ चुके थे और पूरे परिसर को सैनिटाइज करके किसी भी तरह के विस्फोटक की खोज हो रही थी। शाम करीब चार बजे के बाद संसद भवन के दरवाजे खोले गए और धीरे–धीरे लोगों को बाहर निकाला जाने लगा। शाम होते होते पूरा संसद भवन परिसर खाली करा लिया गया। लेकिन जिन्होंने वह खौफनाक मंजर देखा था, उनके जेहन में आज भी वह तस्वीर वैसी ही दर्ज है, जैसे कल की बात हो और आज जब लोकसभा में दो युवकों के अचानक कूदने और धुआं करने की घटना हुई, तो एकाएक लगा कि क्या यह 22 साल पहले की पुनरावृत्ति तो नहीं है। वैसी ही अफरातफरी भी मची और चेहरों पर डर की छाया भी दिखी। संसद भवन की सुरक्षा में एक बार बड़ी चूक तब भी हुई थी, जब एक टीवी चौनल के पत्रकार ने सांसद शत्रुघ्न सिन्हा के एक डुप्लीकेट को सांसद बनाकर भीतर तक ले जाने का स्टिंग आपरेशन किया था। पहले लगा कि कहीं कोई पटाखे छोड रहा है, लेकिन पुलिस और सुरक्षा कर्मियों की अफरा तफरी और संसद भवन के सारे दरवाजे और मुख्य द्वार जिस तेजी के साथ बंद किए जाने लगे, उससे समझ में आ गया कि संसद पर आतंकवादी हमला हुआ है और ये पटाखों की नहीं गोलियों की आवाज है, जो आतंकवादियों और सुरक्षा कर्मियों के बीच चल रही हैं। जो जहां था वहीं सुरक्षित ठिकाने की ओर भाग रहा था। भीतर तत्कालीन संसदीय कार्य मंत्री प्रमोद महाजन ने मोर्चा संभाला हुआ था और वह सांसदों और मीडिया कर्मियों को भीतर सुरक्षित स्थानों पर भेज रहे थे। पूरा वातावरण धुएं बारूद की गंध और सड़कों पर बह रहे खून से बेहद खौफनाक हो रहा था। एक आतंकवादी जो फिदायीन था, संसद भवन के भीतर घुसने की कोशिश में सुरक्षा कर्मियों की गोलियों का शिकार होकर सीढ़ियों से पहले ही ढेर हो चुका था। आतंकवादी हमले में कई सुरक्षा कर्मियों को भी गोली लगी थी, जिनमें नौ शहीद हो गए थे। काफी समय तक आतंकवादियों की संख्या को लेकर भ्रम बना रहा। पहले पता चला कि छह आतंकवादी थे, लेकिन बाद में उनकी संख्या पांच ही निकली, जिन्हें मार गिराया गया था। दहशत और दुख का माहौल था। संसद भवन परिसर के बाहर लोगों की भीड़ बढ़ रही थी। पुलिस उन्हें नियंत्रित करने में जुटी थी। पुराने संसद भवन के स्वागत कक्ष के प्रमुख द्वार के सामने आज जहां पार्किंग है, तब वहां केंद्रीय भंडार का स्टोर होता था। हमला होते ही पुलिस ने उसे बंद करा दिया था, लेकिन आम लोगों की भीड़ वहां तक पहुंच चुकी थी और पुलिस ने उसे वहां रोक दिया था। कई पत्रकार और सासंद जो हमले से पहले संसद भवन के बाहर थे, वह बाहर ही रह गए थे और जो भीतर थे वो अंदर कमरों में बंद थे। हर शख्स एक दूसरे से सवाल कर रहा था, लेकिन पुख्ता जानकारी किसी के पास नहीं थी। पांच आतंकवादियों को ढेर करने के बावजूद सुरक्षा कर्मी पूरे परिसर में चप्पे–चप्पे पर तलाशी ले रहे थे, कि कहीं कोई बचा हुआ आतंकवादी छिपा तो नहीं है।

हम विदेशी पर्यटकों को कैसे आकर्षित करें?

इस समय दुनिया के पर्यटन प्रधान देशों और भारत के पड़ोसी पर्यटन स्थलों में भारतीय पर्यटकों को लुभाने की होड़ लगी हुई है। जहां एक ओर विदेशी पर्यटकों के कदम भारत की ओर धीमी गति से बढ़ रहे हैं, वहीं भारतीय पर्यटक विदेश में पर्यटन के लिए छलांगे लगाकर बढ़ रहे हैं। हाल ही में बीते चार दिसंबर को सरकार ने लोकसभा में बताया कि पिछले वर्ष भारत यात्रा पर आए विदेशी पर्यटकों की संख्या 85.9 लाख थी, जबकि करीब दो करोड़ भारतीय पर्यटकों ने देश से बाहर भ्रमण किया। विदेशी पर्यटन से जुड़ी दुनिया की प्रमुख एजेंसी बर्नस्टीन की रिपोर्ट–2023 के मुताबिक, 2019 में भारतीयों ने विदेश यात्राओं में करीब 38 अरब डॉलर खर्च किए थे और दुनिया में विदेशी पर्यटन के रूप में भारत का 10वां स्थान था, जबकि इस मामले में वर्ष 2027 तक हम दुनिया में पांचवें स्थान पर होंगे। दरअसल, इस समय भारतीयों द्वारा विदेश में बढ़ते हुए पर्यटन के लिए जो प्रमुख कारण दिखाई दे रहे हैं, उनमें मध्य वर्ग की तेजी से बढ़ती क्रय शक्ति व भारतीयों में विदेश यात्रा की बढ़ती ललक शामिल है। हाल ही में श्रीलंका, थाईलैंड और मलयेशिया ने अपने पर्यटन उद्योग एवं विदेशी मुद्रा की कमाई बढ़ाने के मद्देनजर यहां के पर्यटकों को तेजी से आकर्षित करने के लिए वीजा मुक्त प्रवेश की पहल की है। वहीं ऑस्ट्रेलिया और रूस ने भी वीजा संबंधित प्रक्रियाएं सरल बना दी हैं और अधिक से अधिक पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए ई–वीजा की शुरुआत की है। गौरतलब है कि यूरोपीय संघ और अमेरिका के वीजा के लिए प्रतीक्षा अवधि लंबी होने से दक्षिण–पूर्व एशियाई देश विदेशी मुद्रा की कमाई के वास्ते भारतीय पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए नए सिरे से प्रयास कर रहे हैं। भारतीयों का विदेश यात्रा की ओर तेजी से बढ़ता रुझान घरेलू पर्यटन के लिए एक बड़ा नुकसान है और विदेशी मुद्रा कोष घटाने वाला भी है। अब भी दुनिया के कुल विदेशी पर्यटकों का दो फीसदी से भी कम हिस्सा ही भारत के खाते में आ रहा है। दुनिया में सबसे अधिक विदेशी पर्यटक मुख्यतः फ्रांस, स्पेन, अमेरिका, चीन और इटली जाते हैं। भारत के कई ऐसे आकर्षक पर्यटन केंद्र हैं, जो इसे विदेशी पर्यटकों की संख्या के मद्देनजर प्रमुख पर्यटन प्रधान देशों में स्थान दिला सकते हैं। देश में यूनेस्को धरोहर स्थलों की कोई कमी नहीं है। भारत की संस्कृति, संगीत, हस्तकला, खानपान से लेकर नैसर्गिक सुंदरता हमेशा से विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करती रही हैं। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि पिछले एक दशक में देश में विदेशी पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए पर्यटन के व्यापक बुनियादी ढांचे और अन्य पर्यटन सुविधाओं को नई वैश्विक पर्यटन सोच के साथ आकार दिया गया है। पर्यटन बजट में लगातार वृद्धि की गई है। चालू वित्त वर्ष 2023–24 के केंद्रीय बजट में पर्यटन के लिए 2,400 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। पिछले वर्ष की तुलना में यह राशि 18.24 प्रतिशत अधिक है। खास बात यह भी है कि इस वर्ष जी–20 की अध्यक्षता के दौरान जी–20 के कार्यसमूह की 80 से अधिक विभिन्न बैठकों में हिस्सा लेने भारत आए विदेशी मेहमानों को देश के पर्यटक स्थलों का भ्रमण करवाकर भारत के बेजोड़ पर्यटन केंद्रों के वैश्विक प्रचार–प्रसार के अभूतपूर्व मौके का पूरा फायदा सरकार ने उठाया है। इन सबके साथ–साथ मजबूत सरकार और दुनिया भर में बढ़ती हुई आर्थिक और राजनीतिक प्रतिष्ठा के कारण अब भारत में विदेशी पर्यटकों के कदम बढ़ने की नई संभावनाएं दिखाई दे रही हैं। भारत के पर्यटन क्षेत्र को अधिक जीवंत बनाने के लिए ऐसी रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा, जिससे जहां विदेश जाने वाले भारतीय पर्यटक घरेलू पर्यटन को अधिक लाभप्रद और सुगम अनुभव करें, वहीं विदेशी पर्यटकों के कदम भी भारत की ओर तेजी से बढ़ने लगें। इसके लिए केंद्र सरकार, राज्यों और स्थानीय निकायों को पर्यटन विकास के लिए समन्वित रूप से साथ मिलकर काम करना होगा। हम उम्मीद करें कि देश में भी विदेशी पर्यटकों को रिझाने के लिए वीजा नीति उदार बनाई जाएगी और अल्प अवधि में बड़ी संख्या में वीजा निर्गम करने के लिए एक ठोस प्रशासनिक ढांचा तैयार किया जाएगा। तभी देश 2030 तक विदेशी पर्यटकों से 56 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा अर्जित करने और 2047 तक एक लाख करोड़ डॉलर की पर्यटन अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य को पा सकेगा। विदेशी पर्यटन से जुड़ी दुनिया की प्रमुख एजेंसी बर्नस्टीन की रिपोर्ट–2023 के मुताबिक, 2019 में भारतीयों ने विदेश यात्राओं में करीब 38 अरब डॉलर खर्च किए थे और दुनिया में विदेशी पर्यटन के रूप में भारत का 10वां स्थान था,।

प्रतिभा किसी कृपा की मोहताज नहीं होती : पूर्व प्राचार्य डॉ अखिलेश्वर शुक्ला

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। राजा श्री कृष्णा इंटर कॉलेज में छात्राओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया । कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि प्रबंधक डॉ0 सत्यराम प्रजापति उप प्रबंधक जियाराम यादव प्रधानाचार्य डॉ0 संजय चौबे ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 विश्वनाथ यादव ने किया। इस अवसर पर छात्रों को संबोधित करते हुए पूर्व कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर(डॉ0) अखिलेश्वर शुक्ला ने छात्र–छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा प्रतिभा किसी कृपा की मोहताज नहीं होती यदि छात्र छात्राओं में प्रतिभा लगन है तो कड़ी मेहनत से कहीं भी शीर्ष पर पहुंचा जा सकता है। राजा श्री कृष्ण दत्त इंटर कॉलेज में जिला स्तरीय दिव्यांग खेलकूद प्रतियोगिता में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए चयनित छात्राओं एवं जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी के प्रतिभागियों का सम्मान एवं एनसीसी कैडेट्स का रैंक अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया ।दिव्यांग खेलकूद जनपदीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग किये कोमल बिंद शीतल गौतम अंजली मोर्य दीक्षा मौर्य अदिति यादव संजली मौर्य को माल्यार्पण कर प्रशस्ति पत्र एवं मेडल प्रदान किया गया साथ ही जिला स्तरीय विज्ञान प्रतियोगिता में अपने मॉडल से निर्णायक मंडल का ध्यान आकर्षण किया। प्रतिभागी छात्राओं में मानसी प्रजापति आयशा खान नैंसी बिंद मायशा खान अर्चना बिंद खुशबू मौर्य भूमि यादव को विद्यालय परिवार द्वारा प्रोत्साहित किया गया। एनसीसी के संघीय अधिकारी लेफ्टिनेंट प्रदूषण यादव ने एनसीसी कैडेट्स को लाइनअप कराया। सूबेदार राजेश कैडेटों को अनुशासन का पाठ पढ़ाया चयनित कैडेटों ज्योति मौर्य स्नेहा गुप्ता हर्ष यादव सक्षम श्रीवास्तव आदि को प्रैंक अलंकरण किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय के अंजनी श्रीवास्तव डॉक्टर अशोक कुमार मिश्र अशोक तिवारी डॉक्टर रमेश संथलाल नागेंद्र प्रसाद राघवेंद्र सिंह राजमणि यादव रंजना चौरसिया पूजा सिंह राजेश श्रीवास्तव सुभाष मिश्रा अखिलेश मौर्या श्रवण तिवारी श्रवण पांडे राजकुमार सिंह एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे कार्यक्रम भव्यता एवं दिव्यता के साथ कुशल संपन्न हुआ।

सरकार और शासन को घेरने की तैयारी में संयुक्त परिषद

जनवरी और फरवरी में मण्डलीय सम्मेलन

मृत्युंजय प्रताप सिंह की रिपोर्ट

लखनऊ 16 दिसम्बर। राज्य कर्मी और शिक्षक संवर्ग की समस्याओं को लेकर सरकार और शासन द्वारा की जा रही अनदेखी से नाराज राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद की बैठक में सम्बद्ध संगठनों की बैठक में सेवा सम्बधी समस्याओं के निराकरण के लिए सरकार और शासन को घेरने का निर्णय लिया गया। संगठनों की बैठक में जनवरी एवं फरवरी 2024 को मण्डलीय स्तर पर सम्मेलन का निर्णय लिय गया। बैठक में केन्द्रीय कर्मचारियों के संगठनों के साथ एनजेसीए द्वारा पुरानी पेंशन बहाली के लिए चलाए जा रहे आन्दोलन का शतप्रतिशत समर्थन और एकजुटता का निर्णय लिया गया। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष हरिकिशोर तिवारी की अध्यक्षता में हुई इस बैठक का संचालन महामंत्री शिवबरन सिंह यादव ने किया।

परिषद के सम्बद्ध संगठनों की बैठक में मण्डलीय सम्मेलन के लिए चार टीमों का गठन किया गया है। बैठक में नाराजगी जताते हुए कहा गया कि एक तरफ तो मुख्य सचिव स्तर पर सभी विभागाध्यक्षों, प्रमुख सचिवों को यह निर्देश लगातार दिए जाते है कि अपने अपने अधिनस्थ कार्मिक संगठनों से प्रतिमाह वार्ता कर उनकी अपने स्तर पर लम्बित समस्याओं का निराकरण कराये एवं शासन या उच्च स्तर की समस्याएं शासन को प्रेषित करे। लेकिन इस आदेश का जमीनी स्तर पर कोई अमल नही हो रहा। हर विभाग में कर्मचारियों एवं शिक्षको की भारी भरकम समस्याएं लम्बित है। बैठक में डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ के अध्यक्ष इं. एच.एन. मिश्रा, डा. नरेश, बीटीसी से संतोष तिवारी, इं. एन.डी. द्विवेदी, दिवाकर राय, सुभाषचन्द्र तिवारी, अमरजीत मिश्रा, ब्रजेन्द कुमार सिंह, राजेश सिंह्न, योगेश मिश्रा, रमेश उदैनिया,रवीन्द्र कुमार शुक्ला,प्रभात मिश्रा,राजेश सिंह, डी. एस. दीक्षित, उदय राज सिंह, सहजराम कनौजिया, राजेश मिश्र, अम्बा प्रकाश शर्मा, सुभाष पाण्डेय, राजेश कुमार श्रीवास्तव, अमीता त्रिपाठी, सुनीता पटेल, सतेन्द्र चौहान,जितेन्द्र, पकंज यादव, संतोष तिवारी माध्यमिक, संदीप सिंह चौहान, अरूण सिंह, प्रमोद मिश्रा, अविनाश चन्द्र श्रीवास्तव, केशरीनदंन ने सम्बोधित किया। बैठक में डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ, ग्राम विकास अधिकारी एसोसिएशन, एजुकेशन मिनिस्टीरियल एसोसिएशन, पशुधन प्रचार अधिकारी संघ, आईटीआई कर्मचारी संघ, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी संघ, चकबंदी , राजस्व, खाद्य प्रसस्करण तकनीकी कर्मचारी संघ, मण्डी समिति, शिक्षा मिनिस्टीरियल, सेतु निगम, डीआरडीए, विशिष्ट बीटीसी, अधिनस्थ कृषि सेवा संघ,सिंचाई विभाग ड्राइग एसोसिएशन,,ईएसआई डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन के पदाधिकारी बैठक में मौजूद रहे।

सक्रिय टीबी रोगी अभियान की समीक्षा बैठक सम्पन्न

अयोध्या। शनिवार को राजकीय टीबी क्लीनिक सभागार में प्रथम सत्र में जनपद में पब्लिक व प्राइवेट सेक्टर में चलाए गए सक्रिय टीबी रोगी खोजी अभियान की समीक्षा की गई ।पब्लिक सेक्टर में 23 नवंबर से 5 दिसंबर तक चलाए गए टीबी रोगी खोजी अभियान में कुल 64 रोजी जांच उपरांत पाए गए जिनका इलाज प्रारंभ कराया गया ।साथ ही साथ दिनांक 7 दिसंबर से 14 दिसंबर तक प्राईवेट सेक्टर में चलाए गए अभियान में कुल 116 क्षय रोगियों का नोटिफिकेशन किया गया ।द्वितीय सत्र में औषधि विक्रेताओं का संवेदीकरण जिला क्षय रोग अधिकारी की अध्यक्षता व औषधि निरीक्षक की उपस्थिति में सम्पन्न हुई ।कार्यशाला में जिला क्षय रोग अधिकारी डॉक्टर संदीप शुक्ला ने औषधि विक्रेताओं से क्षय रोग में उपयोग होने वाली औषधियों का ब्योरा देने को कहा जिससे प्राइवेट सेक्टर में इलाज ले रहे किसी भी रोगी का नोटिफिकेशन न छूटे व सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं को दिलाया जा सके और साथ ही साथ प्रधान मंत्री जी के टीबी मुक्त भारत अभियान में जनपद अयोध्या टीबी मुक्त होकर अपना योगदान दे सके। बैठक में उपस्थित औषधि निरीक्षक सुमित वर्मा ने उपस्थित विक्रेताओं से कार्यक्रम में पूरा सहयोग देने की अपील की ।उपस्थित ड्रग एसोसियेशन के अध्यक्ष अवि आनंद ने कार्यक्रम को पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया ।जिला क्षय रोग अधिकारी उपस्थित लोग से इलाज ले रहे क्षय रोगियों को गोद लेकर पोषण संबंधी सहयोग देने की अपील की गई।

कार्यक्रम में जिला स्वास्थ्य शिक्षा सूचना अधिकारी डी पी सिंह, पी पी एम कोर्डिनेटर प्रेम कुमार, रत्नेश राठौर,उमेश शुक्ल,मोहमद नेमांन,सुनील कुमार सहित अन्य कर्मी उपस्थित रहे।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय के एक और छात्र ने की आत्महत्या

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में गुरुवार को एक छात्र द्वारा किये गए आत्महत्या की गुत्थी सुलझ नही पाई थी शनिवार को विश्वविद्यालय के एक और छात्र ने आत्महत्या कर लिया है दो दिन भीतर दो छात्रों द्वारा मौत के गले लगाने से विश्वविद्यालय प्रशासन में हड़कंप मच गया है। एहतियात के तौर पर पूरे परिसर में पुलिस बल को तैनात कर दिया है। घराना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

मिर्जापुर जिले के रामगढ़ का रहने वाला नीरज सिंह वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के बीटेक का छात्र था । वह विश्वविद्यालय के पास ही सराय ख्वाजा थाना क्षेत्र के सिद्दीकीपुर में किराए के मकान लेकर बहन के साथ पढ़ाई कर रहा था ।दस दिन पहले बहन गांव गई है। शुक्रवार रात उसने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। शनिवार सुबह इसकी जानकारी होने पर विश्वविद्यालय प्रशासन में हड़कम्प मच गया। सूचना मिलते ही कुलपति सहित मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए विधिक जांच पड़ताल में जुड़ गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा परिजनों को सूचित कर दिया गया है। मालूम हो कि दो दिन पूर्व आजमगढ़ के फार्मेसी के छात्र विवेक कुमार ने भी विश्वविद्यालय के चरक हास्टल में जहर खाकर आत्महत्या कर लिया था। हालांकि सामने में परिजनों द्वारा कोई तहरीर नहीं दिया गया और वह बच्चे के शव को लेकर अपने घर चले गए।

सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के तहत एआरटीओ प्रशासन ने लोगों को किया जागरुक

अयोध्या।15 दिसम्बर से शुरु होकर 31 दिसम्बर तक आयोजित सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के तहत परिवहन विभाग द्वारा वाहन चालकों को यातायात के नियमों के प्रति जागरुक करने के लिये की कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसी के तहत शनिवार को दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने को लेकर परिवहन विभाग कार्यालय में स्थापित एल०ई०डी० के द्वारा लोगों को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों का प्रचार–प्रसार किया गया ।इस मौके पर एआरटीओ प्रशासन डा० आर०पी० सिंह ने कार्यालय में उपस्थित लोगों को सड़क सुरक्षा से सम्बन्धित जानकारी देते हुए कहा कि आपका जीवन सिर्फ आपके ही लिए नहीं बल्कि आपके परिवार के सदस्यों के लिए अमूल्य है। जब आप अपने घर से बाहर निकलते हैं तो जब तक आप सही सलामत अपने घर नहीं पहुंच जाते तब तक आपके परिवार के सदस्यों को आपके आने का बेसब्री से इंतजार रहता है ।आप सुरक्षित अपने घर तभी वापस आ सकते हैं जब आप यातायात नियमों का पालन करेंगे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि आप सभी ओवर टेकिंग, वाहन चलाते समय मोबाइल पर बात न करें,नशे की हालत में गाड़ी न चलायें। इस मौके पर परिवहन विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा की जानकारी देने के लिए उपस्थित लोगों को पम्पलेट भी वितरित किये गये।

लोकसभा की तैयारी में शिद्दत से जुट जाए कार्यकर्ता : सीमा द्विवेदी

मोदी जी के मार्गदर्शन में देश में उत्साह और विकासपरक सोच की लहर चल रही है: गिरीश चन्द्र यादव

भाजपा 2 लाख से अधिक लोगों को बनाएगी विकसित भारत एंबेसडर: पुष्पराज सिंह

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मिशन–2024 में एतिहासिक विजय प्राप्त करने के लिए भारतीय जनता पार्टी जौनपुर जिले में दो लाख से अधिक लोगों को नमो ऐप से जोड़कर विकसित भारत एंबेसडर बनाएगी इसी क्रम में पार्टी कार्यालय पर जिला स्तरीय कार्यशाला में नमो ऐप डाउनलोड करने व विकसित भारत एंबेसडर बनाकर डिजिटल वॉलंटियर बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। भाजपा कार्यालय पर जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह की अध्यक्षता में आयोजित

बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य सभा सांसद सीमा द्विवेदी उपस्थित रही और विशिष्ट अतिथि के रूप में गिरीश चन्द्र यादव उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण कर की गई। तत्पश्चात सभी कार्यकर्ताओं के द्वारा बंदे मातरम का गीत गाया गया।

मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी ने कहा कि मिशन 2024 का बिगुल बज चुका है कार्यकर्ता पूरी शिद्दत के साथ लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुट जाए। उन्होंने बताया कि जिले में 2 लाख विकसित भारत एंबेसडर बनाने का लक्ष्य रखा गया है। गांव के बूथ पर 100 तथा नगरीय बूथों पर 200 विकसित भारत एंबेसडर बनाए जाएंगे। नमो ऐप डाउनलोड करने के बाद 100 डेज चौलेंज की शुरुआत होगी। इन 100 दिनों में पार्टी कार्यकर्ता विकसित भारत एंबेसडर, माइक्रो डोनेशन और सेल्फी विद लाभार्थी, सेल्फी विद फर्स्ट वोटर, सेल्फी विद किसान, डॉक्टर्स, व्यापारी, वकील आदि का अभियान चलाएगे। इस अभियान में सभी मोर्चा व प्रकोष्ठ सक्रिय योगदान देंगे। इस अभियान के तहत पार्टी कार्यकर्ता को हर दिन 10 लोगों को नमो ऐप से जोड़ना होगा, जो विकसित भारत एंबेसडर के नाम से पहचाने जाएंगे। सबसे ज्यादा लोगों को जोड़ने वाले टॉपर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मुलाकात करने, फोन पर संवाद करने और पत्राचार करने का अवसर मिलेगा।

विशिष्ट अतिथि खेल और युवा मंत्री गिरीश चन्द्र यादव ने कहा कि हम सबकी की जिम्मेदारी है कि जिला में योजनाओं और उनके क्रियान्वयन को लेकर बने सकारात्मक माहौल की अधिक से अधिक चर्चा हो। हमें अपनी सामाजिक एवं राजनैतिक सक्रियता को नमो ऐप के माध्यम से सबके बीच पहुंचाना चाहिए। मोदी जी के मार्गदर्शन में देश में उत्साह और विकासपरक सोच की लहर चल रही है, हमें सोशल मीडिया के माध्यम से इसे और अधिक तेज और प्रभावी बनाना है। उन्होंने पार्टी के सभी निर्वाचित जनप्रतिनिधियों समेत पार्टी पदाधिकारियों को विकसित भारत संकल्प यात्रा में अधिक से अधिक सहभागिता करने की अपील किया।

भाजपा जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने प्रशिक्षण की प्रस्तावना रखते हुए कार्यकर्ताओं का आभार प्रकट किया ।जिलाध्यक्ष ने बताया कि अभियान में सांसद से लेकर सभासद तक सभी जनप्रतिनिधियों को कैंप लगाकर विकसित भारत एंबेसडर बनाना है। भाजपा 2 लाख से अधिक लोगों को विकसित भारत एंबेसडर बनाएगी।

उन्होंने आगे बताया बताया की सभी विधानसभा में दीवार लेखन का कार्य प्रगति पर हैं जल्द हीं यह कार्य समाप्त हो जायेगा और नमो ऐप विकसित भारत एंबेसडरों को उनके कार्यों के लिए बड़ा मंच देगा। इसके तहत पार्टी के सांसद और विधायक अपने अपने विधानसभा क्षेत्रों में सक्रिय होकर युवाओं और लोगों को नमो एप से जोड़ेंगे ताकि लोगों को केंद्र सरकार की योंजनाओं की सीधी जानकारी मिले।

प्रशिक्षण कार्यशाला में आईटी के जिला संयोजक रोहन सिंह ने नमो ऐप डाउनलोड करने व विकसित भारत एंबेसडर बनाने का विस्तृत प्रेजेंटेशन दिया। और सोशल मीडिया सिद्दार्थ राय ने 100 डेज चौलेंज अभियान के दौरान पार्टी फंड के लिए कार्यकर्ता माइक्रो डोनेशन का अभियान चलाएंगे। इसके तहत न्यूनतम पांच रुपए से लेकर 2000 रुपये तक राशि आम लोगों से जमा कराई जाएगी।

संचालन जिला महामंत्री सुशील मिश्रा ने किया। कार्यशाला में प्रमुख रूप से पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव जिला महामंत्री त्रय पीयूष गुप्ता अमित श्रीवास्तव सुनील तिवारी जिला उपाध्यक्ष संतोष सिंह जिला मंत्री राजू दादा राज पटेल अवधेश यादव संतोष मिश्रा रामसूरत मौर्य उमेश तिवारी बृजेश यादव मम्मन यादव सूबेदार सिंह श्यामबाबू यादव आलोक सिंह आशीष सिंह आमोद सिंह अम्बरीशधर द्विवेदी सुबास शुक्ला अजीत प्रजापति महेंद्र विजय शुक्ला नरेन्द्र उपाध्याय रागिनी सिंह अनिल गुप्ता दिव्यांशु सिंह अजय सरोज मेराज हैदर सुरेश धुरिया इन्द्र्सेन सिंह प्रदीप यादव घनश्याम यादव मण्डल अध्यक्ष गण विनोद शर्मा बलबीर गौड़ विनोद मौर्य लवकुश सिंह भोला सिंह वंश बहादुर पाल अमित श्रीवास्तव विकास शर्मा धर्मेन्द्र मिश्रा राजकेशर पाल मदन सोनी अजय मिश्रा उमेश सिंह नरेन्द्र विश्वकर्मा भूपेश सिंह शैलेश सिंह सुरेन्द्र विक्रम सिंह महेंद्र बिन्द संतोष गुप्ता दिलीप शर्मा चंद्रेश गुप्ता सिद्दार्थ सिंह निखिल सोनकर अवधेश सोनकर एवं मण्डल के महामंत्री द्वय एवं आई टी के संयोजक उपस्थित रहे।

राम मंदिर निर्माण से अयोध्या की पहचान विश्व के नक्शे पर - डॉ तनवीर रिजवी

अयोध्या। (डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)। प्रदेश में स्थित मदरसों में संचालित शिक्षा व्यवस्था मे और अधिक सुधार लाने के लिए प्रदेश सरकार काफी प्रयासरत हैं ।समय समय पर प्रदेश में स्थित मदरसों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए समय समय पर निरीक्षण भी किया जा रहा है ।यह बातें शनिवार को मदरसा शिक्षा परिषद् के सदस्य डाक्टर तनवीर रिजवी ने पत्रकार वार्ता में कहीं ।उन्होंने बताया कि गरीब तबके के शत् प्रतिशत बच्चे मदरसों में ही पढ़ने जाते हैं ।उनको जो भी भी शिक्षा मिले वह रोजगार परख हो ।इसके लिए प्रदेश सरकार कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है। इस स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को शिक्षा के साथ साथ अन्य सुविधाएं मिले। इसके लिए प्रदेश सरकार कई योजनाएं चला रही है ।उन्होंने बताया कि इसी सब को परखने के लिए वे शनिवार को जिले में स्थित विभिन्न मदरसों का निरीक्षण भी करने आये थे। राम मंदिर निर्माण को लेकर उन्होंने बताया कि इससे सिर्फ प्रदेश में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी अयोध्या की एक अलग पहचान होगी। इसके साथ ही साथ अयोध्या का चहुंमुखी विकास विकास होगा। इस मौके पर उनके अलावा मो आसिफ अंसारी,नसीम अख्तर अंसारी,सुरैया बेगम,तरबेज हसन,सद्दाम खान,तौहीद खान सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

लखनऊ में विश्व प्रसिद्ध स्मोकी और क्रीमी बटर चिकन का स्वागत हुआ

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। गोइला बटर चिकन (जीबीसी) एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध भारतीय फूड डिलिवरी चेन है, जिसने भारत और विदेश में बड़ी सफलता हासिल की है। वे अब अपनी शाखाएं उत्तर प्रदेश के विभिन्न शहरों में लॉन्च कर रहे हैं, जिसमें लखनऊ, कानपुर शामिल हैं।। जीबीसी ने आगंतुकों को स्मोकी करी, नान बॉम्ब, कबाब, रोल और अन्य स्वादिष्ट व्यंजनों के लिए उत्तर प्रदेश के भोजनप्रेमियों को वाकई लुभाने का लक्ष्य रखा है!

जीबीसी (Goila Butter Chicken) के पीछे एक प्रसिद्ध मास्टर शेफ सारांश गोइला हैं, जिनके बनाए हुए रेसिपीज ने भारत और विदेशों में खाद्यप्रेमियों को प्रसन्न किया है। उत्तर प्रदेश के खाद्यप्रेमियों, अब तैयार हो जाइए जीबीसी के स्वादिष्ट खाने का आनंद लेने के लिए!

रेगुलर बटर चिकन से अलग, गोइला बटर चिकन ताजे टमाटर के साथ धीमी आँच पर लंबे समय तक पकाया जाता है। इसमें एक अद्वितीय कोल–स्मोक्ड बटर का उपयोग होता है। इस रेसिपी के कारण, ऑस्ट्रेलिया के जजों ने इसे श्दुनिया के सबसे शानदार बटर चिकनों में से एकश घोषित किया है।

जीबीसी एक बड़े प्रदर्शनी रूप में वेज और नॉन–वेज व्यंजनों का आनंद प्रदान करता है। यहां आपको गोइला बटर पनीर, नान बॉम्ब्स, ढाबा स्टाइल चिली चिकन, हांडी चिकन, पनीर मलाई टिक्का, दाल मखनी, गोइला चिकन कबाब और बहुत कुछ मिलेगा।

जीबीसी के पास थाली के लिए भी एक विस्तार है, जो ग्राहकों को पूरी ताजगी से पके हुए भोजन का आनंद देने के लिए डिजाइन की गई है। इसमें मुख्य व्यंजन, दाल मखनी, सब्जी, रूमाली रोटी, चावल, सलाद और अन्य सहायक पदार्थ शामिल होते हैं। गोइला बटर चिकन ने कॉर्पोरेट और व्यक्तिगत ग्राहकों के लिए अनेक विकल्पों के साथ अपने आप को भारत के 80 स्थानों पर प्रीमियम उत्तर भारतीय/मुगलई व्यंजनों के रूप में स्थापित किया है।

जब चाहें, आप जोमैटो, स्विगी के माध्यम से या 8588887718 पर कॉल करके उनकी स्मोकी खुशबूदार व्यंजनों का आनंद ले सकते हैं। जहां भी आप चाहें, गोइला बटर चिकन को आसानी से आर्डर करें और इनका आनंद उठाएं।

थानाध्यक्ष विवेक तिवारी ने चौकीदारों को वितरित किए कंबल

बक्शा, जौनपुर। स्थानीय क्षेत्र के बक्शा थाना में तैनात थानाध्यक्ष विवेक कुमार तिवारी ने बक्शा थानान्तर्गत तैनात सभी चौकीदारों को कंबल वितरित किया वहीं पर कंबल पाते ही चौकीदारों के चेहरे खिले और थानाध्यक्ष की खूब प्रशंसा की. थानाध्यक्ष विवेक कुमार तिवारी ने कहा कि अपने भरण पोषण के लिए क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर दिन रात मेहनत करने वाले कुछ साथियो को हमने कंबल वितरित किए जिससे ठंड में उन्हें रात्रि के समय ठंड से कोई समस्या न हो. ज्ञात हो कि पुलिस विभाग में अच्छे कार्यो के लिए कई बार सम्मान भी प्राप्त हुआ है और जहा भी तैनाती होती है वहां अपनी एक अलग ही पहचान छोड़ जाते हैं विवेक तिवारी जनपद में कई वर्षो से कार्यरत हैं इनके साथ कार्य करने वाले समस्त स्टाप संतुष्ट रहते हैं और क्षेत्र में भी कुशलतापूर्वक कार्य करने का प्रयास करते हैं. इस अवसर पर उप निरीक्षक विजय कुमार, मोहन कुमार, दिवान माधव सिंह, अखिलेश सिंह, कृष्ण मुरारी, अमित सिंह सहित अन्य कर्माचारियों की सहभागिता रही.

यशवन्त गुप्त को लाइन बाजार पुलिस ने किया गिरफ्तार

राजस्व परिषद के चेयरमैन हेमन्त राव से मिलने नहीं दिया गया: यशवन्त

जौनपुर। पत्रकार उत्पीड़न, भ्रष्टाचार, जनसुनवाई पोर्टल पर फर्जी निस्तारण, राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण घोटाला एवं सिरकोनी बाजार (इजरी) की भीषण डकैती काण्ड के अभियुक्तों के विरूद्ध कार्यवाही को लेकर कलेक्ट्रेट परिसर में पिछले 859वें दिन से आन्दोलन कर रहे सत्याग्रही यशवन्त गुप्ता को शुक्रवार को लाइन पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इस बाबत श्री गुप्ता ने बताया कि राजस्व परिषद के चेयरमैन हेमन्त राव शुक्रवार को कलेक्ट्रेट का निरीक्षण करने आये थे।

डांस एंड फैशन फिएस्टा कंपटीशन के ऑडिशन में प्रतिभागियों ने दिखाया जलवा

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। गहना कोठी, यूनाइटेड ड्रीम्स इवेंट एवं कलाकार डांस स्टूडियो द्वारा डांस एंड फैशन फिएस्टा एक इवेंट " जौनपुर स्टाइल आइकन " के नाम से एक प्रतियोगिता आयोजित किया जा रहा है। आयोजित इवेंट का ग्रेन्ड फीनाले 17 दिसम्बर को होना है। इस आयोजन में प्रमुख अतिथि बॉलीवुड अभिनेता अमन वर्मा, डांस् सीजन 4 की रनरप वर्तिका झा, अभिनेत्री मालवी मल्होत्रा, अभिनेताध सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर विवेक केसरी जी आ रहे है। आयोजित करवाए जा रहे डांस कंपीटिशन जौनपुर स्टाइल आइकन ऑडिशन का आखिरी राउंड नगर एक रेस्तरां एवं बैंक्वेट हॉल तंदूरवाला में आयोजित किया गया। इसके पहले राउंड में कुल 50 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था, जिसमें से 30 ने दूसरे राउंड के लिए क्वालीफाई किया। क्वालीफाई करने वाले प्रतिभागियों ने स्पर्धा के जजों के सामने डांस एवं फैशन कैट वाक की प्रस्तुति दी। लखनऊ से प्रियंका बाजपेयी (मॉडेल प्रतिभागी लोगों के लिए) कलाविद– रविकान्त जायसवाल, बॉलीवुड फोटोग्राफर–अंकित साहू, कलाकार डांस स्टूडियो निदेशक व कोरियोग्राफर राज सिंह चौधरी, यूनाइटेड ड्रीम्स इवेंट के रौनक गुप्ता जजों की भूमिका निभायीं। इस स्पर्धा के माध्यम से बच्चों के टैलेंट को बाहर लाना चाहते हैं। आयोजकों की सहायक टीम में हर्ष विश्वकर्मा, स्वयं जायसवाल, अभय साहू, कन्हैया केशरवानी, रितिक गुप्ता, शिवम और अर्पित शामिल हैं।

कालयएडोस्कोप: जूनियर स्टडी हॉल में नन्हे-मुन्नो ने मनाया वार्षिक खेल दिवस

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊरू स्टडी हॉल जूनियर स्कूल गोमती नगर ने रविवार 16 दिसंबर को अपना वार्षिक खेल दिवस, कैलिडोस्कोप का आयोजन किया गया। स्टडी हॉल जूनियर स्कूल की हेडमिस्ट्रेस बानी मल्होत्रा ने कहा, "छात्रों और शिक्षकों ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए बहुत मेहनत की है। खेल अकादमिक शिक्षा जितना ही महत्वपूर्ण है और बच्चे के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

स्टडी हॉल एजुकेशन फाउंडेशन (एसएचईएफ) की सीईओ डॉ. उर्वशी साहनी ने कहा, "स्टडी हॉल एक खुशहाल स्कूल है। हमारा उद्देश्य बच्चों को सिर्फ शिक्षा देना नहीं है बल्कि उनको आने वाली जिन्दगी के लिए तैयार करना है। आज हमारे बच्चों ने बहुत अच्छी प्रस्तुतियां दी। सभी अभिभावकों का दिल से आभार करना चाहती हूँ उनके समर्थन के लिए।

कार्यक्रम की शुरुआत कक्षा 5 के टॉय सोल्जर्स के साथ एक ड्रिल से हुआ, इसके बाद श्द यूनिवर्स ऑफ केयरश के तहत सभी कक्षाओं के बच्चों को एकजुट करने के लिए सॉलिडैरिटी वॉक का आयोजन किया। माता–पिता के लिए ट्रैक इवेंट और मजेदार दौड़ के साथ–साथ विभिन्न ग्रेड और गतिविधियों के आकर्षक प्रदर्शन ने सभी को मंत्रमुग्धा कर दिया। मुख्य आकर्षण, श्फॉलो द लीडरश में तीन पीढ़ियों, जिनमें दादा–दादी, माता–पिता और बच्चे शामिल थे, ने खुशी से एक साथ नृत्य किया और कार्यक्रम का समापन किया।

सभी छात्रों की उत्साहपूर्ण भागीदारी और गौरवान्वित अभिभावकों की सशक्त उपस्थिति के साथ यह आयोजन जबरदस्त सफल रहा। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन और राष्ट्रगान के साथ हुआ।

लोकसभा की तैयारी में शिद्दत से जुट जाए कार्यकर्ता : सीमा द्विवेदी

मोदी जी के मार्गदर्शन में देश में उत्साह और विकासपरक सोच की लहर चल रही है: गिरीश चन्द्र यादव

भाजपा 2 लाख से अधिक लोगों को बनाएगी विकसित भारत एंबेसडर: पुष्पराज सिंह

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । मिशन–2024 में एतिहासिक विजय प्राप्त करने के लिए भारतीय जनता पार्टी जौनपुर जिले में दो लाख से अधिक लोगों को नमो ऐप से जोड़कर विकसित भारत एंबेसडर बनाएगी इसी क्रम में पार्टी कार्यालय पर जिला स्तरीय कार्यशाला में नमो ऐप डाउनलोड करने व विकसित भारत एंबेसडर बनाकर डिजिटल वॉलंटियर बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। भाजपा कार्यालय पर जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह की अध्यक्षता में आयोजित

बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य सभा सांसद सीमा द्विवेदी उपस्थित रही और विशिष्ट अतिथि के रूप में गिरीश चन्द्र यादव उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण कर की गई। तत्पश्चात सभी कार्यकर्ताओं के द्वारा बंदे मातरम का गीत गाया गया।

मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी ने कहा कि मिशन 2024 का बिगुल बज चुका है कार्यकर्ता पूरी शिद्दत के साथ लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुट जाए। उन्होंने बताया कि जिले में 2 लाख विकसित भारत एंबेसडर बनाने का लक्ष्य रखा गया है। गांव के बूथ पर 100 तथा नगरीय बूथों पर 200 विकसित भारत एंबेसडर बनाए जाएंगे। नमो ऐप डाउनलोड करने के बाद 100 डेज चौलेंज की शुरुआत होगी। इन 100 दिनों में पार्टी कार्यकर्ता विकसित भारत एंबेसडर, माइक्रो डोनेशन और सेल्फी विद लाभार्थी, सेल्फी विद फर्स्ट वोटर, सेल्फी विद किसान, डॉक्टर्स, व्यापारी, वकील आदि का अभियान चलाएगे। इस अभियान में सभी मोर्चा व प्रकोष्ठ सक्रिय योगदान देंगे। इस अभियान के तहत पार्टी कार्यकर्ता को हर दिन 10 लोगों को नमो ऐप से जोड़ना होगा, जो विकसित भारत एंबेसडर के नाम से पहचाने जाएंगे। सबसे ज्यादा लोगों को जोड़ने वाले टॉपर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मुलाकात करने, फोन पर संवाद करने और पत्राचार करने का अवसर मिलेगा।

विशिष्ट अतिथि खेल और युवा मंत्री गिरीश चन्द्र यादव ने कहा कि हम सबकी की जिम्मेदारी है कि जिला में योजनाओं और उनके क्रियान्वयन को लेकर बने सकारात्मक माहौल की अधिक से अधिक चर्चा हो। हमें अपनी सामाजिक एवं राजनैतिक सक्रियता को नमो ऐप के माध्यम से सबके बीच पहुंचाना चाहिए। मोदी जी के मार्गदर्शन में देश में उत्साह और विकासपरक सोच की लहर चल रही है, हमें सोशल मीडिया के माध्यम से इसे और अधिक तेज और प्रभावी बनाना है। उन्होंने पार्टी के सभी निर्वाचित जनप्रतिनिधियों समेत पार्टी पदाधिकारियों को विकसित भारत संकल्प यात्रा में अधिक से अधिक सहभागिता करने की अपील किया।

भाजपा जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने प्रशिक्षण की प्रस्तावना रखते हुए कार्यकर्ताओं का आभार प्रकट किया।जिलाध्यक्ष ने बताया कि अभियान में सांसद से लेकर सभासद तक सभी जनप्रतिनिधियों को कैंप लगाकर विकसित भारत एंबेसडर बनाना है। भाजपा 2 लाख से अधिक लोगों को विकसित भारत एंबेसडर बनाएगी।

उन्होंने आगे बताया बताया की सभी विधानसभा में दीवार लेखन का कार्य प्रगति पर हैं जल्द हीं यह कार्य समाप्त हो जायेगा और नमो ऐप विकसित भारत एंबेसडरों को उनके कार्यों के लिए बड़ा मंच देगा। इसके तहत पार्टी के सांसद और विधायक अपने अपने विधानसभा क्षेत्रों में सक्रिय होकर युवाओं और लोगों को नमो एप से जोड़ेंगे ताकि लोगों को केंद्र सरकार की योंजनाओं की सीधी जानकारी मिले।

प्रशिक्षण कार्यशाला में आईटी के जिला संयोजक रोहन सिंह ने नमो ऐप डाउनलोड करने व विकसित भारत एंबेसडर बनाने का विस्तृत प्रेजेंटेशन दिया। और सोशल मीडिया सिद्दार्थ राय ने 100 डेज चौलेंज अभियान के दौरान पार्टी फंड के लिए कार्यकर्ता माइक्रो डोनेशन का अभियान चलाएंगे। इसके तहत न्यूनतम पांच रुपए से लेकर 2000 रुपये तक राशि आम लोगों से जमा कराई जाएगी।

संचालन जिला महामंत्री सुशील मिश्रा ने किया। कार्यशाला में प्रमुख रूप से पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव जिला महामंत्री त्रय पीयूष गुप्ता अमित श्रीवास्तव सुनील तिवारी जिला उपाध्यक्ष संतोष सिंह जिला मंत्री राजू दादा राज पटेल अवधेश यादव संतोष मिश्रा रामसूरत मौर्य उमेश तिवारी बृजेश यादव मम्मन यादव सूबेदार सिंह श्यामबाबू यादव आलोक सिंह आशीष सिंह आमोद सिंह अम्बरीशधार द्विवेदी सुबास शुक्ला अजीत प्रजापति महेंद्र विजय शुक्ला नरेन्द्र उपाध्याय रागिनी सिंह अनिल गुप्ता दिव्यांशु सिंह अजय सरोज मेराज हैदर सुरेश धुरिया इन्द्रसेन सिंह प्रदीप यादव घनश्याम यादव मण्डल अध्यक्ष गण विनोद शर्मा बलबीर गौड़ विनोद मौर्य लवकुश सिंह भोला सिंह वंश बहादुर पाल अमित श्रीवास्तव विकास शर्मा धर्मेन्द्र मिश्रा राजकेशर पाल मदन सोनी अजय मिश्रा उमेश सिंह नरेन्द्र विश्वकर्मा भूपेश सिंह शैलेश सिंह सुरेन्द्र विक्रम सिंह महेंद्र बिन्द संतोष गुप्ता दिलीप शर्मा चंद्रेश गुप्ता सिद्दार्थ सिंह निखिल सोनकर अवधेश सोनकर एवं मण्डल के महामंत्री द्वय एवं आई टी के संयोजक उपस्थित रहे।

श्री राम जन्मभूमि परिसर में आयोजित प्राण प्रतिष्ठा की तैयारियों को लेकर डीएम ने किया निरीक्षण

अयोध्या ।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) डीएम नितीश कुमार ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की तैयारियों तथा प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के उपरांत अयोध्या धाम आने वाले श्रद्धालुओंध्पर्यटकों के वाहनों के पार्किंग सुगम सुविधा उपलब्ध कराये जाने के दृष्टिगत वरिष्ठ पुलिस श्री राज करन नय्यर, अपर जिलाधिकारी नगर सलिल कुमार पटेल, सीओ ट्रैफिक प्रमोद कुमार यादव व सहायक अभिलेख अधिकारी सहित अन्य सम्बंधित अधिकारियों के साथ विभिन्न स्थलों का स्थलीय निरीक्षण किया ।इस अवसर पर जिलाधिकारी ने श्रद्धालुओं के सुगमता को ध्यान में रखते हुये पर्याप्त संख्या में सरफेस पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया ।डीएम ने धर्मपथ के आसपास फटिक शिला के पास सरफेस पार्किंग स्थल सहित अन्य

स्थलों का निरीक्षण किया। तथा उपयुक्त पार्किंग स्थलध्भू–भाग के चयन एवं सुविधाओं को विकसित करने हेतु सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया ।इस अवसर पर जिलाधिकारी नितीश कुमार ने बताया कि परम्परागत रूप से उपयोग की जा रही सरफेस पार्किंगों के अतिरिक्त 70 एकड़ भूमि का अलग से चयन पूर्व में ही किया जा चुका है, जिसमें 10 एकड़ गुप्तारघाट, 35 एकड़ उदया चौराहे तथा 25 एकड़ प्रहलाद घाट राजघाट के समीप है ।जिलाधिकारी ने बताया कि अयोध्या में श्री राम मंदिर के निर्माण कार्य के साथ ही अयोध्या में बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं को आवागमन एवं यातायात की उच्च स्तरीय सुविधायें सुगमता से उपलब्ध कराये जाने के दृष्टिगत अयोध्या को अन्य जनपदों से जोड़ने वाले विभिन्न मार्गो को तथा श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के विभिन्न पहुंच मार्गो का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कर आधुनिक एवम् उच्च स्तरीय जन सुविधायें विकसित की जा रही है। इसी के क्रम में अयोध्या धाम आने वाले श्रद्धालुओं/पर्यटकों के वाहनों के पार्किंग की बेहतर एवं सुगम सुविधायें यथा स्मार्ट पार्किंग विकसित की जा रही हैं इसके दृष्टिगत अयोध्या में पांच मल्टीलेबल पार्किंग बनायी जा रही है, जिसमें से चार मल्टीलेबल पार्किंग यथा–टेढ़ीबाजार पूर्वी, टेढ़ीबाजार पश्चिमी, कौशलेज कुंज, अमानीगंज का शत प्रतिशत कार्य पूर्ण है तथा कलेक्ट्रेट के निकट स्मार्ट वाहन पर्किंग के कार्य को इसी माह के अन्त तक पूर्ण कर लिया जायेगा, इन स्मार्ट पार्कि में 526 चार पहिया वाहनों के पार्किंग, 511 दोपहिया पार्किंग के साथ ही लगभग 1500 से अधिक दो पहिया वाहनों के सरफेस पार्किंग की व्यवस्था उपलब्ध होगी। इसके अतिरिक्त उक्त स्मार्ट पार्किंगों में श्रद्धालुओंध्पर्यटकों हेतु फूट कोर्ट, डारमेट्री एवं रेस्टोरेंट आदि जन सुविधाओ की व्यवस्था भी उपलब्ध है।

यात्रा के माध्यम से देश के कोने-कोने में समाज के सभी वर्गो तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है : प्रेमावती

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना)। सरकार की योजनाओं का लाभ जन जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व मे भारतीय जनता पार्टी द्वारा देश मे विकसित भारत संकल्प यात्रा प्रारम्भ की है। इसी क्रम मे आज अध्यक्ष जिला पंचायत हरदोई प्रेमावती पीके वर्मा ने विकास खंड पिहानी की ग्राम पंचायत उचवल तिगावां तथा ग्राम पंचायत फत्तेपुर बरखेरा मे आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा ग्राम पंचायत स्तरीय कार्यक्रम का शुभारम्भ कर, केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को सम्मानित किया।

इस अवसर पर कार्यक्रम मे विभिन्न विभागों द्वारा जनहित योजनाओं के विधिवत प्रचार प्रसार हेतु स्थापित प्रदर्शनी का अवलोकन कर जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती ने क्षेत्रवासियों को सरकारी योजनाओं से लाभ उठाने के लिए जागरूक करते हुए कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा, हर घर सरकारी योजनाएं पहुंचाने तथा समावेशी विकास की दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक सार्थक पहल है। इस विकास यात्रा के माध्यम से देश के कोने–कोने में समाज के सभी वर्गों तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। यात्रा का मकसद स्वच्छता, बिजली, आवास, रोजगार, आयुष्मान भारत, पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना और पीएम आवास योजना के बारे मे लोगों को विस्तार से जानकारी देना है। विकसित भारत यात्रा मे एलईडी स्क्रीन के माध्यम से केंद्र सरकार द्वारा कराये गए विकास कार्य एवं संभावित विकास की जानकारी भी प्रदान की गई। इस अवसर पर प्रमुख रूप ग्राम प्रधान मुन्नी देवी, ग्राम प्रधान लक्ष्मी देवी, भाजपा सेक्टर संयोजक मनीष गुप्ता, बूथ अध्यक्ष शिशुपाल यादव, प्रधान प्रतिनिधि प्रेमसागर सहित भाजपा पदाधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

मौखिक व्याख्यान एवं पोस्टर प्रस्तुतियों के विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किये गए

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सीएसआईआर–राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ एवं राष्ट्रीय पर्यावरण विज्ञान अकादमी (नेसा) के संयुक्त तत्वाधान में 14 से 16 दिसम्बर के मध्य आयोजित हो रहे ग्रीन केमिस्ट्री, प्रदूषण रोकथाम एवं जलवायु परिवर्तन पर आधुनिक प्रवृत्तियों एवं चुनौतियों पर राष्ट्रीय सम्मलेन आज समापन कर दिया गया द्य समापन समारोह में अमृत अभिजात, आईएएस, प्रमुख सचिव, शहरी विकास विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। श्री अभिजात ने सम्मेलन में आयोजित मौखिक व्याख्यान एवं पोस्टर प्रस्तुतियों के विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार भी वितरित किये ।

समापन समारोह में संस्थान के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवं सम्मेलन के संयोजक डॉ. पंकज कुमार श्रीवास्तव ने इस तीन दिवसीय सम्मेलन की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि इस राष्ट्रीय सम्मेलन के द्वारा पर्यावरण प्रदूषण के महत्वपूर्ण मुद्दों जैसे विभिन्न पारिस्थितिक तंत्रों में माइक्रोप्लास्टिक की उपस्थितिय कृषि में धात्विक नैनोकणय सब्जियों में भारी धातुओं के प्रदूषण से स्वास्थ्य संबंधी खातरेय हमारे जल पारिस्थितिकी तंत्रों का बचाव आदि पर वैज्ञानिक चर्चाये की गयी है। इस सम्मेलन की रिपोर्ट और निष्कर्षों को हम निश्चित रूप से हितधारकों को आवश्यक कार्य योजनाओं के लिए प्रेषित करेंगे।

सम्मेलन में आयोजित मौखिक व्याख्यान एवं पोस्टर प्रस्तुतियों के विजयी प्रतिभागी निम्न लिखित है–

विषय प्रदूषण एवं निस्तारण

मौखिक व्याख्यान प्रथमः डॉ. एसके रथ,

सीएसआईआर–एनबीआरआई द्वितीयः अंकेश तिवारी, गुरु घासी दास विश्वविद्यालय, बिलासपुर तीसरीरू डॉ. निवेदिता चौधरी, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान

तीसराः मुनीब फारूक, एनआईटी, श्रीनगर सांत्वनाः दीक्षा, जीजीएस, इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली

सांत्वनाः सहीम रसूल, एनआईटी, श्रीनगर प्रथमः डॉ. आदित्य आभा सिंह, लखनऊ विश्वविद्यालय

जलवायु परिवर्तन

दूसराः डॉ. रचना दुबे, आईसीएआर–पूर्वी क्षेत्र अनुसंधान परिसर, पटना

हरित रसायनकी

प्रथमः डॉ. सोनाथ दास, बर्डन राज कॉलेज, बर्धमान, पश्चिम बंगाल द्वितीयः सौम्या सिन्हा, ग्राफिक एरा यूनिवर्सिटी, देहरादून तीसरीरू डॉ. तृषा रॉय, आईसीएआर–भारतीय मृदा जल संरक्षण संस्थान, देहरादून सांत्वनाः दिबाकर घोष, उत्तरी

पर्यावरण एवं जैव प्रौद्योगिकी

बंगाल विश्वविद्यालय, सिलगुड़ी

प्रथमः इसप्रीत कौर, आरएमएल विश्वविद्यालय, अवध दूसरारू डॉ. शालिनी मुदलकर, वन महाविद्यालय एवं अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद तृतीयः श्रद्धांजलि सेठी, सीएसआईआर–एनईईआरआई,

नागपुर

प्रथमः डॉ. रेखा कन्नौजिया, एनबीआरआई द्वितीयः पल्लवी सिंह, बी.एच. यू तृतीयः निशा खरका, एनबीआरआई

प्रथमः वी रमादेवी पब्बीनेडी, सीएलआरआई, चेन्नईर

द्वितीयः वैभव भारत रोकड़े, आईसीएआर–एनडीआरआई,

करनाल

तृतीयः हर्षिता सिंह, बी.एच.यू सांत्वनारू प्रफुल्ल कुमार, एनबीआरआई

प्रथमः कीर्ति पांडे, सीएसआईआर–एनबीआरआई द्वितीयः अदिति रॉय, लखनऊ विश्वविद्यालय तृतीयः अभिनव शर्मा, सीएसआईआर–एनबीआरआई सांत्वनाः साबित्री कुमारी, बी.एच.यू. , वाराणसी

प्राकृतिक संस्थान प्रबंधन

सांत्वनाः डॉ. संध्या मिश्रा, सीएसआईआर–एनबीआरआई प्रथमः एकता गुप्ता,

बी.एच.यू., वाराणसी द्वितीयः मृणालिनी श्रीवास्तव, बी. एच.यू., वाराणसी तृतीयः जेरीम थम्पन, बीएसआईपी, लखनऊ

पोस्टर प्रस्तुति

प्रथमः निशा रानी, सीएसआईआर–एनबीआरआई द्वितीयः आकांशा गुप्ता, बी.एच.यू., वाराणसी

प्रथमः साक्षी कनोत्रा, एनआईओ, गोवा

दूसरारू अंबिकेश देबनाथ, सीएसआईआर–एनबीआरआई तृतीयः पूजा नितिन सराफ, बीएसआईपी लखनऊ

सांत्वनाः डॉ. शशिकांत माजगी, सांत्वनाः प्रज्ञा मुखर्जी,

बी.एच.यू., वाराणसी तृतीयः जेरीम थम्पन,

दूसराः अंबिकेश देबनाथ, सीएसआईआर एनधीरज

बीएसआईपी, लखनऊ सांत्वनाः डॉ. शशिकांत माजगी, विजय नगर कृष्णदेवराय विश्वविद्यालय, बेल्लारी

तृतीयः पूजा नितिन सराफ, बीएसआईपी लखनऊ

सांत्वनाः प्रज्ञा मुखर्जी, बी.एच.यू., वाराणसी

समसामयिक मुद्दे

प्रथमः बी महेश, री– सस्टेनेबिलिटी लिमिटेड

प्रथमः डॉ. तौसीफ फातिमा, सीएसआईआर–एनबीआरआई

द्वितीयः डॉ. मधु थपलियाल, आरसीयू सरकार। पीजी कॉलेज, उत्तरकाशी तृतीयः आनंद प्रकाश, एनबीआरआई

दूसरारू ओमोडिंग डेनियल, लखनऊ विश्वविद्यालय तृतीयः डॉ. राजेश कुमार सिंह, बी.एच.यू., वाराणसी सांत्वनाः संचिता सिंह, लखनऊ विश्वविद्यालय

समारोह के मुख्य अतिथि अमृत अभिजात, आईएएस, प्रमुख सचिव, शहरी विकास विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार ने सभी विजयी प्रतिभागियों को बधाई देते कहा कि एनबीआरआई अपने प्रसिद्ध पुष्प प्रदर्शनी और वनस्पति उद्यान में सुबह की सैर के लिए लखनऊवासियों के बीच बहुत प्रसिद्ध है। अधिकांश शहरों के जटिल प्रदूषण समस्याओं के बारे में बात करते हुए, श्री अभिजात ने हितधारकों और इस उद्देश्य के लिए काम करने वाले अनुसंधान संस्थानों के बीच ज्ञान अंतर को कम करने पर जोर दिया। उन्होंने बताया वैज्ञानिक संस्थान इन कठिन परिस्थितियों के प्रामाणिक डेटा का मुख्य स्रोत हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस तरह के वैज्ञानिक सम्मेलन का आयोजन नित्य रूप से होता रहना चाहिए ताकि वर्तमान की वैश्विक प्रदूषण समस्याओं का उचित समाधान प्राप्त करने की दिशा में कार्य किया जा सके।

इससे पहले दिन के एक अन्य सत्र में, श्भारत में पर्यावरण सेवा क्षेत्र में सुधारों की आवश्यकताश विषय पर भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा एक विशेष सत्र आयोजित किया गया। इस अवसर पर श्री कुमार सौरभ, सहायक निदेशक बीआईएस सत्र और अतिथि वक्ता के रूप में उपस्थित थे। श्री सौरभ ने पर्यावरण क्षेत्र में उपयोग की जाने वाली प्रक्रियाओं के मानकीकरण के नियमों और विनियमों के बारे में चर्चा की।

इस अवसर पर डॉ. शकील खान, प्रधान वैज्ञानिक, आईएआरआई, नई दिल्ली, डॉ. विवेक श्रीवास्तव और डॉ. शरद श्रीवास्तव, मुख्य वैज्ञानिक, सीएसआईआर–एनबीआरआई और नेसा के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

अंत में, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अदिति गुप्ता द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया।

बीटेक आईटी के छात्र ने फांसी लगाकर दी जान

सिद्धीकपुर के प्राइवेट रूम में घटी घटना

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय बीटेक आईटी पांचवें सेमेस्टर के छात्र ने सिददीकपुर प्राइवेट रूम मे फांसी लगाकर जान दे दी ।सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को नीचे उतारा और जांचोंपरान्त उसे कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना को लेकर तरह–तरह की चर्चाएं हैं। जानकारी के अनुसार मिर्जापुर जिले के रामगढ़ निवासी मंगला सिंह का 22 वर्षीय पुत्र नीरज सिंह वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के बीटेक आईटी ब्रांच का तृतीय वर्ष के पांचवें सेमेस्टर का छात्र था और और पढ़ाई के दौरान वह सिद्धीकपुर में नदौली के निवासी विनोद यादव के प्राइवेट हॉस्टल में रहकर पढ़ाई करता था। शुक्रवार की सुबह उसी हॉस्टल में लोगों ने इसे टहलते घूमते देखा था। उसके बाद से दरवाजा बंद था लोगों ने ध्यान नहीं दिया ।शनिवार की सुबह जब विनोद यादव की पत्नी ने देखा उसका दरवाजा नहीं खुला तो आवाज दी ।उसके बाद नहीं खुला तो काफी देर बाद जब कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई तो उन्होंने पुलिस को सूचना दी, पुलिस पहुंची दरवाजा तोड़कर देखा तो घर में रोशनदान के सहारे रस्सी से फांसी लगाकर मर चुका था, पुलिस ने शव को उतरवाया और कब्जे में लिया उसके परिजनों को सूचना दी इसके बाद वह शव को पोस्टमार्टम के भेज दिया। परिजन भी आए घटना को लेकर सभी स्तब्ध हैं। इस बारे में पूर्वांचल विश्वविद्यालय के चीफ प्राक्टर प्रोफेसर संतोष कुमार का कहना है कि लड़का किन कारणो से फांसी लगाया है यह जानकारी नहीं हो सकी है ,लेकिन वह बीटेक आईटी का छात्र था इस बारे में छानबीन की जा रही है।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।